NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 23 लखनऊ, मंगलवार 03 सितंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी ने बीजेपी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की, बोले- हम लोकतांत्रिक मूल्यों को जीते हैं

, t lhA

नई दिल्ली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा न केवल दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है बल्कि सबसे लोकतांत्रिक पार्टी भी है। उन्होंने कहा कि कोई भी अन्य पार्टी भाजपा जितनी पारदर्शिता और ईमानदारी से अपना सदस्यता अभियान नहीं चलाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान–श्संगठन पर्व, सदाशयता अभियान 2024श की शुरुआत की। पार्टी के कार्यक्रम में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है...अगर किसी दल में आंतरिक लोकतंत्र निरंतर नहीं पनपता तो वैसी स्थिति बनती है जो आज हम देश के कई दलों की देख रहे हैं।मोदी ने कहा कि आज सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से लेकर अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। जब तक जिस संगठन के

माध्यम से या जिस राजनीतिक दल के माध्यम से देश की जनता सत्ता सुपुर्द करती है, वो ईकाई, वो संगठन और वो दल अगर लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं जीता है, आंतरिक लोकतंत्र निरंतर उसमें पनपता नहीं है तो वैसी स्थिति बनती है जो आज देश कई दलों को हम देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एक मात्र दल है। जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार अक्षरशरू लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रहा है और जन–सामान्य की आशा, आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अपने आप को निरंतर योग्य बनाते रहता है।प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं जब राजनीति में नहीं था, तो जनसंघ के जमाने में बढ़े उत्साह के साथ कार्यकर्ता दीवारों पर दीपक पेंट करते थे तो कई राजनीतिक दल के नेता अपने भाषणों में मजाक उड़ाते थे कि दीवारों पर दीपक पेंट करने से सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंचा जा सकता है! हम वो लोग हैं, जिन्होंने श्रद्धा से दीवारों पर कमल पेंट किया, क्योंकि विश्वास था कि दीवारों पर पेंट किया कमल कभी न कभी तो दिलों पर भी पेंट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज भी कुछ राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उसी जीवन को जीते हैं और अपने आदर्शों के लिए जूझते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं के लिए कहा जाता था कि उसका एक पैर रेल में होता है और दूसरा जेल में होता है। रेल में इसलिए... कि भाजपा का कार्यकर्ता निरंतर भ्रमण करता था, प्रवास करता था और समाज की समस्याओं के समाधान के लिए सत्ता पर बैठे हुए लोगों के सामने संघर्ष करता था. .. इसलिए कभी जेल तो कभी बाहर... ये उसकी स्थिति होती थी। उन्होंने कहा कि ये सदस्यता अभियान सिर्फ एक रस्म नहीं है। यह हमारे परिवार का विस्तार है। यह संख्याओं का खेल नहीं है. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितने नंबर हासिल करते हैं। यह सदस्यता अभियान एक वैचारिक एवं भावनात्मक आंदोलन है।

वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा न केवल दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है बल्कि सबसे लोकतांत्रिक पार्टी भी है। उन्होंने कहा कि कोई भी अन्य पार्टी भाजपा जितनी पारदर्शिता और ईमानदारी से अपना सदस्यता अभियान नहीं चलाती है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में कार्यकर्ता महज सदस्यता का एक अंक नहीं, बल्कि हमारे यहां कार्यकर्ता एक जीवंत इकाई, विचारधारा का वाहक, कार्य–संस्कृति का पोषक और हमारे कार्यकर्ता सरकार और संगठन के बीच में कड़ी का भी काम करते हैं,

बीजेपी विधायक नितेश राणे के विवादित बोल पर बवाल, मुंबई पुलिस आयुक्त से कांग्रेस ने की शिकायत, कहा- माहौल खराब करने की हो रही कोशिश

, t lhA

भीड़ द्वारा जयकारे लगाते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि अगर तुमने हमारे रामगिरि महाराज को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत की, तो हम तुम्हारी मस्जिद में घुस जाएंगे और तुम्हें मार डालेंगे। विवादास्पद भाजपा नेता और महाराष्ट्र विधायक नितेश राणे ने एक बार फिर भड़काऊ भाषण देकर विवाद खड़ा कर दिया है, जहां उन्होंने मुस्लिम समुदाय को धमकी दी है। 1 सितंबर, रविवार को राणे ने हिंदू संत महंत रामगिरि महाराज के समर्थन में श्रीरामपुर और तोपखाना इलाकों में दो सार्वजनिक कार्यक्रमों को संबोधित किया। संत पर 14 अगस्त को नासिक जिले में एक धार्मिक कार्यक्रम में इस्लाम और पैगंबर मुहम्मद के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। कार्यक्रम में बोलते हुए राणे ने चेतावनी दी कि अगर हिंदू संत को नुकसान

पहुंचाया गया तो परिणाम भुगतने होंगे। भीड़ द्वारा जयकारे लगाते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि अगर तुमने हमारे रामगिरि महाराज को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत की, तो हम तुम्हारी मस्जिद में घुस जाएंगे और तुम्हें मार डालेंगे। अहमदनगर पुलिस ने राणे के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस ने बताया कि बीजेपी विधायक ने अहमदनगर में सकल हिंदू समाज के आंदोलन में हिस्सा लिया और वहां भाषण दिया। पुलिस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी विधायक ने कहा, श्कल मैं अहिल्यानगर (अहमदनगर) और श्रीरामपुर में था। वहां हम महंत रामगिरि महाराज जी के समर्थन में आये। उनके द्वारा दिये गये बयान में कुछ भी नया नहीं था। मैं आपको कम से कम 10 मुस्लिम विद्वानों के बयान दिखा सकता हूं जिन्होंने पहले ही उस तथ्य का उल्लेख किया है जो रामगिरि महाराज जी ने कहा है।उन्होंने कहा कि जो भी लोग रामगिरी महाराज का समर्थन कर रहे हैं, जो लोग इसे अपने सोशल मीडिया स्टेटस पर भी डाल रहे हैं, उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। पिछले हफ्ते पुणे में रामगिरि महाराज के खिलाफ एक रैली के दौरान श्सर तन से जुदाश (सिर काटने) के नारे दिए गए थे। उन्होंन सवाल करते हुए कहा कि वे ऐसा कह सकते हैं लेकिन अगर हम उसी भाषा में हिंदू समुदाय के समर्थन में सामने आते हैं तो हमसे सवाल क्यों किए जाते हैं? संविधान और पुलिस को अपना काम करने दीजिए।

अपने बच्चों को एसआई भर्ती का पेपर उपलब्ध कराने का आरोप, राजस्थान का पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) द्वारा डमी साक्षात्कार आयोजित करने के बाद ही कथित घोटाले का खुलासा हुआ। रायका की गिरफ्तारी पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के लिए तीन अन्य प्रशिक्षुओं के अलावा उनके बच्चों को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व अधिकारी रामूराम रायका को अपने बच्चों को सब–इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया था। रायका की बेटी शोभा और बेटे देवेश ने भर्ती परीक्षा में क्रमशः 5वीं और 40वीं रैंक हासिल की। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) द्वारा डमी साक्षात्कार आयोजित करने के बाद ही कथित घोटाले का खुलासा हुआ। रायका की गिरफ्तारी पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के लिए तीन अन्य प्रशिक्षुओं के अलावा उनके बच्चों को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई।पांचों प्रशिक्षु आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 7 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया. उन्हें राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) से हिरासत में लिया गया और शनिवार को पूछताछ के लिए एसओजी कार्यालय लाया गया। रायका को पुलिस रिमांड मांगने के लिए सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। अब तक, एसओजी ने सब–इंस्पेक्टर भर्ती पेपर लीक मामले में कुल 63 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 37 चयनित उम्मीदवार भी शामिल हैं।

बीजेपी ने उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की, नौशेरा से रविंदर रैना को मैदान में उतारा

एजेंसी।

जम्मू 2014 में जम्मू–कश्मीर में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में, जब यह पूर्ण राज्य था, भाजपा ने 25 सीटें जीती थीं। पार्टी पुनर्जीवित कांग्रेस की चुनौती से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जिसने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है, खासकर जम्मू क्षेत्र में, जो 2014 से भाजपा का गढ़ है।भाजपा ने आगामी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए 6 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की। जम्मू–कश्मीर बीजेपी प्रमुख रविंदर रैना नौशेरा से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा पार्टी ने ईदगाह सीट से आरिफ राजा, लाल चौक सीट से ऐजाज हुसैन, खानसाहिब सीट से डॉ. अली मोहम्मद मीर को मौदान में उतारा है। साथ ही साथ चरार–ए–शरीफ सीट से जाहिद हुसैन और राजौरी (एसटी) सीट से विबोध गुप्ता को टिकट दिया गया है। 2014 में जम्मू–कश्मीर में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में, जब यह पूर्ण राज्य था, भाजपा ने 25 सीटें जीती थीं। पार्टी पुनर्जीवित कांग्रेस की चुनौती से बचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जिसने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है, खासकर जम्मू क्षेत्र में, जो

2014 से भाजपा का गढ़ है। वहीं, आज कांग्रेस ने भी जम्मू–कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए छह उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) प्रमुख तारिक हमीद कर्रा को सेंट्रल शालटेंग सीट से मैदान में उतारा गया है। यह सूची कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की यहां हुई बैठक के तुरंत बाद जारी की गई जिसमें चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया गया। पार्टी यह चुनाव नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन में लड़ रही है। जम्मू–कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख कर्रा के अलावा, पार्टी ने रियासी से मुमताज खान, माता वैष्णो देवी से भूपेन्द्र जामवाल, राजौरी (एसटी) से इफ्तिखार अहमद, थन्नामंडी (एसटी) से शब्बीर अहमद खान और सुरनकोट (एसटी) से मोहम्मद शाहनवाज चौधरी को मैदान में उतारा है। इन निर्वाचन क्षेत्रों में तीन चरण के विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान होगा। पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों की कुल संख्या अब 15 है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी, प्रभारी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, कर्रा, जम्मू–कश्मीर स्क्रीनिंग कमेटी के प्रमुख सुखजिंदर सिंह रंधावा, सलमान खुर्शीद सहित अन्य नेता यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में बैठक में शामिल हुए। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने सीट बंटवारे के फार्मूले को अंतिम रूप दे दिया है और वे क्रमशः 51 और 32 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। माकपा और जम्मू–कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (जेकेएनपीपी) को एक–एक सीट आवंटित की गई है। पिछले सप्ताह कांग्रेस ने जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए अपने नौ उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। जम्मू – कश्मीर में चुनाव तीन चरणों – 18 सितंबर, 25 सितंबर और एक अक्टूबर –में होंगे जिसके बाद आठ अक्टूबर को मतों की गिनती होगी।

देश के आईटी हब में बीजेपी का सॉफ्टवेयर हुआ और भी तेज, विधानसभा चुनाव में विपक्ष को करने होंगे तंत्र दुरुस्त

, t lhA

पुणे में हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का 15 साल से जारी अजेय अभियान जारी रहा है। पार्टी के नेता मुरलीधर किसन मोहोल कांग्रेस को हराकर सांसद बने हैं। यह क्षेत्र मूला और मूठा नदियों के किनारे पर बसा हुआ है। इस क्षेत्र को महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी भी माना जाता है। पुणे महाराष्ट्र के 48 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है। जहां हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का 15 साल से जारी अजेय अभियान जारी रहा है। पार्टी के नेता मुरलीधर किसन मोहोल कांग्रेस को हराकर सांसद बने हैं। यह क्षेत्र मूला

और मूठा नदियों के किनारे पर बसा हुआ है। इस क्षेत्र को महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी भी माना जाता है। मराठा पेशवाओं द्वारा बनाया गया शनिवारवाड़ा दुर्ग यहीं पर है। यहां पर टाटा मोटर्स, बजाज ऑटो, भारत फोर्ज जैसे उत्पादन क्षेत्र के अनेक बड़े उद्योग हैं। 1990 के दशक में इन्फोसिस, टाटा कंसल्टंसी सर्विस, विप्रो, सिमैंटेक, आईबीएम जैसे प्रसिद्ध सॉफ्टवेयर कंपनियों ने पुणे में अपने केंद्र खोले और यह शहर भारत का एक प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी के रूप में विकसित हुआ। कई शिक्षण संस्थाएं होने के कारण इस शहर को पूरब का ऑक्सफोर्ड भी कहा जाता है। पुणे विद्यापीठ, राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, आयुका, आगरकर संशोधन संस्था, सी–डैक जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान यहां हैं। पुणे फिल्म इंस्टीशट्यूट भी काफी प्रसिद्ध है। पुणे लोकसभा क्षेत्र वडगांव शेरी, शिवाजी नगर, कोथरुड, पार्वती, पुणे कैंट और कस्बा पेठ विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया है। यह सभी विधानसभा क्षेत्र पुणे जिले के अंतर्गत ही आते हैं। वर्तमान में इन 6 में से चार सीटों पर भारतीय जनता पार्टी का कब्जा है। तो वहीं, एक–एक सीट कांग्रेस और एनसीपी के पास है।पुणे लोकसभा क्षेत्र की वडगांव शेरी विधानसभा सीट राज्य में 2008 में हुए परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई है। जहां से फिलहाल अजित पवार के गुट वली एनसीपी के सुनील टिंगरे विधायक हैं। उन्होंने यह सीट भारतीय जनता पार्टी के जगदीश मुलिक को हराकर जीती थी। महाराष्ट्र राज्य के गठन के साथ ही अस्तित्व में आया शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र लंबे समय तक शिवसेना के मजबूत गढ़ों में से एक रहा है, लेकिन पिछले 15 साल से पार्टी यहां जीतने में नाकाम रही है। इस सीट का वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के सिद्धार्थ अनिल शिरोले प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। विधायक शिरोले के पहले उन्हीं की पार्टी के विजय काले यहां से विधायक चुने गए थे। महाराष्ट्र विधानसभा में 210 नंबर से जाने जानीवाली कोथरुड विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी लगातार दो बार चुनाव जीत चुकी है।

जिसके नेता चंद्रकांत पाटिल इस क्षेत्र की जनता की आवाज राज्य की विधानसभा में पहुंचा रहे हैं। शिवसेना और एनसीपी को कभी भी जीत का मौका न देने वाले पार्वती विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का लगातार 15 साल से भरोसा भारतीय जनता पार्टी के ऊपर कायम है। जिसकी नेता मधुरी मिसल लगातार तीन चुनावों से जीत दर्ज कर रही हैं। पुणे लोक सभा क्षेत्र की पुणे कैंट विधानसभा सीट अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है।

जहां से बीजेपी के सुनील कांबले वर्तमान में विधायक हैं। यह सीट भारतीय जनता पार्टी लगातार दो बार जीत चुकी है। उसके पहले कांग्रेस ने यहां लगभग 15 साल तक राज किया है। इस लोकसभा क्षेत्र की कस्बा पेठ विधानसभा सीट बीजेपी के राज्य में कद्दावर नेता गिरीश बापट के कारण भी प्रसिद्ध है। जिन्होंने लगातार पांच बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। 2019 के चुनाव में भी बीजेपी के ही मुक्ता तिलक चुनाव जीतने में सफल रहे थे। हालांकि, 2022 में उनका कैंसर के कारण निधन हो गया था। जिसके बाद 2023 के उपचुनाव में कांग्रेस के रवींद्र धांगेकर ने बीजेपी की जीत के सिलसिले को तोड़ने में सफलता प्राप्त की थी।

69000 शिक्षक भर्ती के मामले में केशव मौर्य के घर पर अभ्यर्थियों का जबरदस्त प्रदर्शन

संवाददाता।

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 69000 शिक्षक भर्ती के मामले में तैयार की गई मेरिट लिस्ट को रद्द कर दिया था। इस निर्णय के खिलाफ चयनित अभ्यर्थी रवि सक्सेना ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।उत्तर प्रदेश में शिक्षक भर्ती को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश चरम पर है। लखनऊ में, हजारों की संख्या में शिक्षक अभ्यर्थी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। इन अभ्यर्थियों ने यूपी 69000 शिक्षक भर्ती मामले को लेकर नारेबाजी की और ष्योगी जी न्याय करो, केशव चाचा न्याय करो के आह्वान के साथ अपनी मांगें उठाईं। इस विरोध प्रदर्शन के कारण पुलिस बल भी मौके पर तैनात है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है और इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए लाठीचार्ज भी किया है। अभ्यर्थियों का मुख्य आरोप है कि सरकार इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रही। 13 अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ

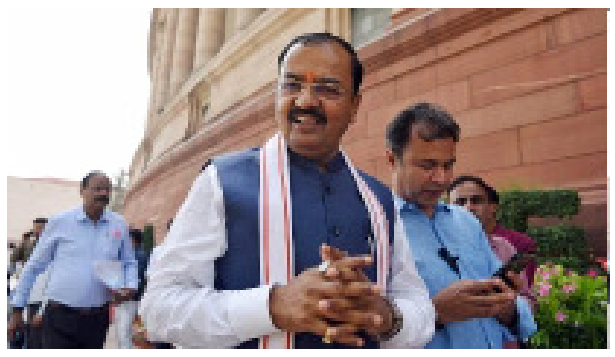

पीठ ने 69000 शिक्षक भर्ती की पूरी सूची को रद्द कर दिया था और बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 और आरक्षण नियमावली 1994 का पालन करते हुए तीन महीने के अंदर एक नई मूल चयन सूची तैयार करने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद से, सरकारी प्रक्रिया की धीमी गति और लापरवाही को लेकर अभ्यर्थियों में असंतोष बढ़ गया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 69000 शिक्षक भर्ती के मामले में तैयार की गई मेरिट लिस्ट को रद्द कर दिया था। इस निर्णय के खिलाफ चयनित अभ्यर्थी रवि सक्सेना ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के सिंगल जज के आदेश पर विचार करते हुए कहा है कि यदि सरकार मूल चयन सूची तैयार करती है, तो 19000 गलत तरीके से चयनित शिक्षक इस भर्ती सूची से बाहर हो जाएंगे। भास्कर सिंह और सुशील कश्यप, जो इस मामले में विशेष अपील 172ध्2023 के मुख्य पैरवीकार हैं, ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाने में हीलाहवाली कर रही है। शिक्षक भर्ती के संदर्भ में, ओबीसी वर्ग को 27: और एससी वर्ग को 21: आरक्षण का दावा किया गया था। हालांकि, ओबीसी वर्ग को 27: की जगह केवल 16.2: आरक्षण प्राप्त हुआ है, जबकि एससी वर्ग को 3.86: आरक्षण ही मिला है। अभ्यर्थियों का कहना है कि बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 और आरक्षण नियमावली 1994 का घोर उल्लंघन किया गया है। आरोप लगाया जा रहा है कि इस भर्ती में 19000 सीटों पर आरक्षण का घोटाला हुआ है और कई योग्य अभ्यर्थियों को सूची में शामिल नहीं किया गया।इस विवाद की जड़ें उत्तर प्रदेश की पिछली सरकारों के फैसलों में भी छुपी हैं। अखिलेश यादव की सरकार के दौरान, 1 लाख 37 हजार शिक्षामित्रों को सहायक शिक्षक के पद पर समायोजित किया गया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा और समायोजन को रद्द कर दिया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार को 1 लाख 37 हजार पदों पर भर्ती का आदेश दिया। योगी सरकार ने एक साथ इतने पद भरने में असमर्थता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट से दो चरणों में भर्ती करने का अनुरोध किया, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मान लिया।पहले चरण में, 2018 में 68500 पदों के लिए वैकेंसी जारी की गई और दूसरे चरण में 69000 सहायक शिक्षक पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर यथासम्भव विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध करायी जाए–ब्रजेश पाठक

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलो को अधिक जनोपयोगी और व्यस्थित बनाने हेतु उपमुख्यमंत्री ने दिये आवश्यक दिशा निर्देश कहा आरोग्य मेलों के दायरे में अधिक स्वास्थ्य सेवायें लायी जायें

लखनऊ(आरएनएस)। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेंलों को अधिक सफल और जनोपयोगी बनाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा जनमानस तक और अधिक बढ़ाने के उद्देश्य से आवश्यक दिशा–निर्देश दिये हैं।उन्होंने कहा कि पहले से आयोजित हो रहे मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मेलों से जनता को बहुत फायदा मिल रहा है इसको देखते हुए स्वास्थ्य मेलों में चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाने की जरूरत है।उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक रविवार को प्रदेश के समस्त ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो में मुख्यमंत्री आयोग्य स्वास्थ्य मेलों का अयोजन किया जाता है। इसमें कई गंभीर बीमारियों का निःशुल्क जांच एवं उपचार किया जाता हैं।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मेलों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए कई अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को मेले के दायरे में लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा अब स्वास्थ्य मेलों में विभिन्न सेवायें मिलेगी। उन सेवाओं मे ओपीडी सेवायें, टी0बी मलेरिया, डेंगू, दिमागी बुखार, कालाजार फाइलेरिया एवं कुष्ठ रोग, दृष्टि जाँच उपचार सम्बन्धी जानकारी एवं आवश्यक जाँच एवं उपचार सुविधाए शामिल हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख, स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग एवं यथोचित सलाह, सुझाव व सहयोग। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की जानकारी एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान की जानकारी तथा पात्र लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरण, आभा आईडी बनाना, मानसिक स्वास्थ्य सेवायें, गर्भावस्था व प्रसव कालीन परामर्श व उपचार, संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन हेतु जागरूकता, जन्म पंजीकरण, नवजात शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा परामर्श, पूर्व टीकाकरण परामर्श एवं सेवायें, परिवार नियोजन सम्बन्धी परामर्श एवं सुविधायें, बच्चों में डायरिया एवं निमोनिया के रोकथाम, बचाव एवं उपचार की जानकारी एवं सुविधाएं, तम्बाकू सेवन रोकने के लिए जागरूकता तथा तम्बाकू छोड़ने में सहायता सेवायें सुलभ हैं। उपमुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर यथासम्भव रोटेशन के आधार पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाए भी जनता को प्रदान की जाये। आम जनमानस को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी मिल सके, इसके लिए योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाये तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि अधिकतम संख्या में लाभार्थीध्मरीज लाभान्वित हो सके। पाठक ने निर्देशित किया कि जिन मामलों में मरीजों को उच्च केन्द्र में रेफर करना हो उनमें राजकीय एम्बूलेंस की सेवा उपलब्ध कराया जाय, जिससे मरीजो को भटकना ना पड़े। आरोग्य मेलों में महिला एवं बाल विकास विभाग से समन्वय स्थापित कर उनके जनपद स्तरीय अधिकारियों को सहभागिता सुनिश्चित की जायं। प्रत्येक रविवार सांय 05 बजे तक समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की पूर्ण रिर्पोट मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाये।

कुष्ठ रोग की पहचान बताने पर मिलेंगी ये सब सुविधाएं

कुष्ठ रोगी खोजी अभियान का एमएलसी मुकेश शर्मा ने किया शुभारंभ

लखनऊ(आरएनएस)। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कुष्ठ रोगी खोजी अभियान (एलसीडीसी) का शुभारंभ सोमवार को विधायक मुकेश शर्मा, सदस्य विधान परिषद द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेडक्रॉस पर किया गया। इस मौके पर विधायक ने कुष्ठ जागरूकता रैली और अभियान में लगी टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।विधायक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुष्ठ रोग के प्रति समाज को जागरूक करना बहुत जरूरी है क्योंकि इसको लेकर लोगों में बहुत से भ्रांतियां व्याप्त हैं। कुष्ठ रोगियों को खोजकर और उनका समय पर इलाज कर उन्हें पूरी तरह से कुष्ठ मुक्त किया जा सकता है। उन्होंने अपील की कि जब भी स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर पर आएं तो उनका सहयोग करें। अगर कुष्ठ को कोई संभावित रोगी है तो छुपाएं नहीं बल्कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को बताएं जिससे कि समय से उसका उपचार किया जा सके। राज्य कुष्ठ अधिकारी डा. जया देहलवी ने बताया कि 14 दिवसीय कुष्ठ रोगी खोजी अभियान दो सितंबर 15 सितंबर तक चलेगा। यह रोग बैक्टीरिया जनित और अत्यंत संक्रामक होता है। कुष्ठ का इलाज मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट (एमडीटी) द्वारा सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क किया जाता है। कुष्ठ रोग के लक्षण आने पर क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता या ए एनएम से सम्पर्क करें या पास के स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच और इलाज कराएं। सही इलाज न कराने से निश्चित दिव्यांगता आ जाती है जो कभी ठीक नहीं होती। दिव्यांगता की स्थिति में करेक्टिव सर्जरी निःशुल्क होती है। कुष्ठ से बचाव की दवा का सेवन करने से कुष्ठ होने की संभावना 90 फीसद कम हो जाती है। सही समय से कुष्ठ की पहचान और इलाज करने से यह सौ फीसद ठीक हो जाता है। कुष्ठ के बैक्टीरिया का इंक्यूबेशन पीरियड दो से पांच साल कभी–कभी 20 साल तक होता है अर्थात संक्रमण होने के बाद लक्षण आने में 20 साल तक का समय लग सकता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल ने कहा कि लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी है कि इसे कुष्ठ मुक्त बनाएं और पूरे प्रदेश के लिए मिसाल कायम करें । जिला कुष्ठ अधिकारी डा. ए.के. सिंघल ने कहा कि यह अभियान नौ ग्रामीण और नौ शहरी क्षेत्रों में चलेगा। इस अभियान का संचालन करने के लिए 4500 टीमें और 857 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। हर टीम में एक आशा या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और एक पुरुष कार्यकर्ता होंगे। टीम द्वारा घर–घर जाकर लक्षणों के आधार पर लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी और चिन्हित संभावित कुष्ठ रोगियों को संदर्भन पर्ची के साथ नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर भेजा जाएगा जहां वरीयता के आधार पर उनका इलाज किया जाएगा । जनपद में कुष्ठ से पीड़ित कुल 193 मरीज हैं जिनमें से साल 2024– 25 में कुष्ठ के 90 नए मरीज खोजे गए हैं। कुल 73 मरीजों का इलाज पूरा हो चुका है और वह कुष्ठ मुक्त हो चुके हैं। इस मौके पर उप जिला कुष्ठ अधिकारी डा. किसलय बाजपेई, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी, राज्य कुष्ठ सलाहकार डा. स्मिता, सीएचसी अधीक्षक डा. रितेश द्विवेदी, जिला कुष्ठ सलाहकार डा. शोमित सिंह, सीएचसी के चिकित्सक और स्टाफ, आशा कार्यकर्ताएं, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के कर्मचारी और सहयोगी संस्था सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च(सीफॉर) के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

लखनऊ में 4 सितंबर को हीरो मोटोकार्प द्वारा कैम्पस ड्राइव का आयोजन

लखनऊ(आरएनएस)। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में 4 सितंबर 2024 को हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, अलवर, राजस्थान द्वारा कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है।इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि इस कैम्पस ड्राइव का उद्देश्य आईटीआई पास बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करना है। इसमें उन युवाओं को अवसर मिलेगा, जिन्होंने वर्ष 2021 से 2023 के बीच मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल ट्रेड में आईटीआई की परीक्षा उत्तीर्ण की हो, या फिर जो 2024 में परीक्षा दे रहे हैं।ट्रेनिंग काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर एम. ए. खाँ ने बताया कि इस ड्राइव में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की आयुसीमा न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 150 पदों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसमें कंपनी द्वारा 17,325 रुपये प्रति माह का सीटीसी वेतन और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इच्छुक अभ्यर्थी 4 सितंबर 2024 को प्रातः 10 बजे अपने बायोडाटा और सभी शैक्षिक प्रमाणपत्रों के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ के प्लेसमेंट हॉल में उपस्थित हो सकते हैं।

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धि पर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने दी बधाई

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारतीय एथलीटों की शानदार सफलता पर बधाई दी है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री ने चक्का फेंक स्पर्धा में रजत पदक विजेता योगेश कथुनिया, ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक विजेता निषाद कुमार और महिलाओं के 200 मीटर टी–35 स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता प्रीति पाल को उनकी उपलब्धियों के लिए विशेष रूप से सराहा है। उन्होंने कहा कि इन एथलीटों की मेहनत और संकल्प ने पूरे देश को गर्वित किया है।

मंत्री कश्यप ने कहा कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों ने यह साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। इनकी जीत न केवल खेल में बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रेरणा देती है। इन खिलाड़ियों की सफलता देश के लिए प्रेरणास्रोत है और यह सिद्ध करती है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हम अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। उन्होंने पदक विजेताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की है।

जन समस्याओं का त्वरित गति से किया जाए निदान – केशव प्रसाद मौर्य

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लगाया जनता दर्शन कार्यक्रम

लखनऊ(आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय–7 कालीदास मार्ग पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार–बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक–एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे रू–ब–रू होकर सुना । जनता दर्शन मे लगभग 3 दर्जन जिलों से कई सैकड़ा लोगों ने आकर अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत अमरोहा, एटा व मुजफ्फरनगर के जिला अधिकारी, देवरिया व बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।

पर्यटन मंत्री कल मैनपुरी में मुख्यमंत्री के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह कल मंगलवार 03 सितम्बर, 2024 को ए0के0 इण्टर कालेज बरनाहल जनपद मैनपुरी में आयोजित मुख्यमंत्री के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार अपराह्न 01:30 बजे ए0के0 इण्टर कालेज बरनाहल में निर्मित हेलीपैड पर मुख्यमंत्री के आगमन पर उनका स्वागत करेंगे एवं कार्यक्रम समाप्ति के बाद लगभग 04 बजे मुख्यमंत्री को बिदा करेंगे। इसके उपरान्त पर्यटन मंत्री शाम 07 बजे तक लखनऊ स्थित आवास पर पहुंचेगे।

एक्शन मोड में डिप्टी सीएम, 26 चिकित्सकों की बर्खास्तगी के निर्देश

लखनऊ(आरएनएस)। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक एक्शन मोड में हैं। स्वास्थ्य विभाग में बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्तव्यों के प्रति लापरवाही, ड्यूटी से लगातार गैरहाजिर एवं उच्चादेशों की लगातार अव्हेलना के चलते प्रदेश में 26 चिकित्सकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। उन्हें एक माह का नोटिस देते हुए, शासकीय सेवा से तत्काल बर्खास्त करने के निर्देश उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को दिए हैं। डिप्टी सीएम का कहना है कि चिकित्सीय कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कहना है कि प्रदेश की जनता को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इनमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन चिकित्सकों को बर्खास्त करने के निर्देश जारी किए गए हैं, उनमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कोंच, जालौन के चिकित्साधिकारी डॉ. प्रशांत पाठक, मुख्य चिकित्साधिकारी, बरेली के अधीन चिकित्साधिकारीगण डॉ. इमरान खान एवं डॉ. सुरभि गुप्ता, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चिल्लौन्सा, मैनपुरी के चिकित्साधिकारी डॉ. अनुज कुमार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ,समान किशनी, मैनपुरी के चिकित्साधिकारी डॉ. राजकुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कालपी, जालौन के चिकित्साधिकारी डॉ. यासमून अख्तर सिद्दिकी, मुख्य चिकित्साधिकारी, सिद्धार्थनगर के अधीन चिकित्साधिकारीगण डॉ. प्रवीन आनंद, डॉ. नेहा सिन्हा, डॉ. ज्योत्सा ओझा, मुख्य चिकित्साधिकारी, ललितपुर के अधीन चिकित्साधिकारीगण डॉ. शुभांशु शिवहरे, डॉ. विवेक कुमार गौतम, डॉ. मोहम्मद हासिम, मुख्य चिकित्साधिकारी, बलिया के अधीन चिकित्साधिकारीगण डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. पूजा सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी, बस्ती के अधीन चिकित्साधिकारी डॉ. आमोद कुमार सरोज, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कुसमुरा, मैनपुरी के चिकित्साधिकारी डॉ. मोहम्मद सलीम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जगतपुर, रायबरेली के चिकित्साधिकारी डॉ. धीरेंद्र कुमार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मटका, रायबरेली के चिकित्साधिकारी डॉ. प्रियंका सोनी, मुख्य चिकित्साधिकारी, रायबरेली के अधीन चिकित्साधिकारी डॉ. शुभेंद्र कुमार मौर्या, मुख्य चिकित्साधिकारी, मथुरा के अधीन चिकित्साधिकारीगण डॉ. त्रिशाला भदकारिया (पैथॉलोजिस्ट), डॉ. अभय गर्ग, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिरसागंज, फिरोजाबाद के चिकित्साधिकारी डॉ. अमित कुमार सिंह, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आनंदपुर जारखी, फिरोजाबाद के चिकित्साधिकारी डॉ. अनुज कुमार गौतम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, खैरगढ़, फिरोजाबाद के चिकित्साधिकारी डॉ. संजीव कुमार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बछगांव कोटला, फिरोज़ाबाद के चिकित्साधिकारी डॉ. हिमांशी सागर एवं मुख्य चिकित्साधिकारी फिरोजाबाद के अधीन डॉ. सृष्टि सिंह शामिल हैं।

आईसीआरटी से समझौते के तहत प्रदेश के पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करके स्थानीय समुदायों की आमदनी बढ़ाना है –जयवीर सिंह

आईसीआरटी के संस्थापक डा0 हेरोल्ड गुडविन ने मैनपुरी तथा मथुरा की हस्तनिर्मित कलाकृतियों का किया अवलोकन

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश में रिस्पांसिबल टूरिज्म को ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए पर्यटन विभाग और इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिस्पांसिबल टूरिज्म (आईसीआरटी) के बीच पिछले दिनों समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ था। आईसीआरटी की स्थापना वर्ष 2002 में डॉ. हेरोल्ड गुडविन के द्वारा वर्ल्ड टूरिज्म मार्ट (डब्ल्यूटीएम) लंदन में केपटाउन घोषणा के बाद की गई थी। आईसीआरटी के संस्थापक डा0 हेरोल्ड गुडविन ने आज सोमवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मथुरा के एक गांव जैत का भ्रमण किया। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहे उत्तर प्रदेश में पर्यटकों के सुविधार्थ पर्यटन स्थलों और पर्यटक सुविधाओं के निरंतर विकास का कार्य किया जा रहा है। पर्यटन क्षेत्र में हमारी कुछ जिम्मेदारियां हैं, जिसे रिस्पांसिबल टूरिज्म के नाम से जानते हैं। रिस्पांसिबल टूरिज्म का अर्थ है, पर्यटन या उससे जुड़े विकास कार्यों को इस तरह करना, जो लोगों के सामाजिक और आर्थिक विकास में सहायक हो एवं पर्यटन स्थल के पर्यावरणीय संरक्षण तथा सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सतत (सस्टेनेबल) पर्यटन को बढ़ाए। इसका लक्ष्य पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के साथ स्थानीय समुदायों को पर्यटन से होने वाले लाभ में भागीदार बनाना है। जयवीर सिंह ने बताया कि उ0प्र0 पर्यटन विभाग ने भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा से रिस्पांसिबल टूरिज्म पर पहल शुरू की है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिस्पांसिबल टूरिज्म लंदन के प्रमुख डॉ. हेरोल्ड गुडविन ने सोमवार को मैनपुरी भांवत व 04 सितंबर को प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर का भी भ्रमण करेंगे। इसके पहले मंगलवार को लखनऊ में आयोजित वर्कशॉप में हिस्सा लेंगे। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में पर्यटन उद्योग से जुड़े उद्यमी हिस्सा लेंगे।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि डा0 गुडविन मथुरा में सबसे पहले वहां कालिया नाग मंदिर पहुंचे। दर्शन के बाद उन्होंने मिट्टी के बर्तन–खिलौने, लड्डू गोपाल की पोशाक, तुलसी माला, मक्खन बनाने की प्रक्रिया को देखा और इसके विक्रय के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा होम स्टे आदि को करीब से देखा। उन्होंने साथ ही, स्थानीय व्यंजन का लुत्फ लिया। गांव में चयनित स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक भी की।जयवीर सिंह ने बताया कि मैनपुरी के भांवत में लोगों ने पगड़ी और तिलक लगाकर डॉ. हेरोल्ड का स्वागत किया। डॉ. हेरोल्ड गुडविन ने विभिन्न होमस्टे का भ्रमण किया। यहां महिला शिल्पी से मुलाकात कर तारकशी, सॉफ्ट टॉयज, राखी, आर्टिफिशियल राखी आदि को देखा। इसके अलावा उन्होंने सिंघाड़े के उत्पादन संबंधी जानकारी ली। महादेव मंदिर में भजन संध्या में भी हिस्सा लिया।

केजीएमयू में मरीजों के तीमारदारों हेतु अत्याधुनिक निःशुल्क आदर्श स्थाई रैन बसेरे का लोकार्पण'

लखनऊ। विश्व प्रसिद्ध बिजनेस टायकून डॉ. अभिषेक वर्मा एवं प्रिंसिस निकोल ने फूडमैन विशाल सिंह के हंगर फ्री वर्ल्ड मिशन का समर्थन करते हुए वीणा वर्मा की स्मृति में केजीएमयू मेडिकल यूनिवर्सिटी में मरीजों के तीमारदारों हेतु अत्याधुनिक निरूशुल्क आदर्श स्थाई रैन बसेरा का लोकार्पण विजय श्री फाउंडेशन के तत्वावधान में किया ।

इस मौके पर फूडमैन विशाल सिंह ने प्रिंसिस निकोल को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया, वहीं निधि शर्मा और अवंतिका यादव ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर निकोल ने तीमारदारों को आवश्यक वस्तुओं के साथ फल भी वितरित किया।इस दौरान उन्होंने तीमारदारों की सेवा हेतु अपनी दादी वीणा वर्मा की स्मृति में ष्वीणा सेवालयष का लोकार्पण किया, इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं कि मेरा परिवार राष्ट्र सेवा के साथ समाजसेवा कर रहा है। प्रिंसिस निकोल ने इस दौरान विजय श्री फाउंडेशन के द्वारा 17 वर्षों ने अनवरत जारी मानवता को सेवा से प्रेरित होकर 10 लाख रुपए का सेवा सहयोग दिया, जिसका मकसद है कि फूडमैन विशाल सिंह द्वारा अस्पतालों में गंभीर बिमारी से जूझ रहे मरीजों के निरूशक्त तीमारदारों को लगातार सेवाएं प्रदान होती रहें। आपको बता दें डॉक्टर अभिषेक वर्मा का परिवार सेवा व्यक्तित्व भाव का धनी है। माता पिता के संस्कार और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए लाखों लोगों की मदद कर रहे हैं। आज अपनी मां की जन्म जयंती के अवसर पर डॉ. अभिषेक वर्मा ने लखनऊ मेडिकल कॉलेज में इस आदर्श स्थाई अत्याधुनिक रैन बसेरा विजय श्री फाउंडेशन के मध्यम से अस्पताल में आए हुए रोगियों के तीमारदारों की सेवा हेतु समर्पित किया है। डॉक्टर अभिषेक वर्मा ने फूडमैन विशाल सिंह के हंगर फ्री वर्ल्ड मिशन को समर्थन देते हुए यह आश्वस्त किया है कि वह मानवता के इस दीपक को हमेशा प्रज्जवलित रखने हेतु निरंतर मदद प्रदान करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया है कि असहाय मरीजों की सेवा में दवा प्रदान करने में भी मदद करेंगे।

लखनऊ में भगवान लक्ष्मण की विशाल प्रतिमा शीघ्र स्थापित होगी – राजनाथ सिंह

शिवराज हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन की पहल रंग लाई

लखनऊ(आरएनएस)। शिवराज हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन की महत्वाकांक्षी परियोजना, भगवान लक्ष्मण जी की विशाल प्रतिमा स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। सोमवार को एक और अहम बैठक में, फाउंडेशन के अध्यक्ष शिवम तिवारी और कोषाध्यक्ष राजन तिवारी ने बताया कि रक्षामंत्री को परियोजना की वर्तमान स्थिति का विस्तृत विवरण उनके नयी दिल्ली वाले कार्यालय पर प्रस्तुत किया है। इस बैठक में परियोजना के विकास और आगामी कदमों पर व्यापक विचार–विमर्श हुआ, जिसमें रक्षामंत्री ने अपनी पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर मार्गदर्शक अरुण शाही भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने महत्वपूर्ण योगदान और मार्गदर्शन से परियोजना को सफलता की दिशा में अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रक्षामंत्री की हरी झंडी मिलने के बाद, उनके मंत्रालय ने इस परियोजना के लिए एक विशेष अधिकारी को भी नियुक्त किया है, जो रेल मंत्रालय से संबंधित सभी आवश्यक समस्याओं का समाधान करने में सहयोग करेगा। शिवराज हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन की टीम, अपनी सामाजिक सेवाओं के साथ, इस परियोजना को संपूर्ण निष्ठा के साथ सफल बनाने के लिए निरंतर आगे बढ़ रही है।

संजय गुप्ता बनाये गए साहू राठौर समाज सुल्तानपुर के जिलाध्यक्ष

सुलतानपुर (आरएनएस)। अखिल भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायन साहू(पूर्व सांसद)के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष राकेश राठौर (गुरु जी) नगर विकास राज्यमंत्री एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष रमाशंकर साहू(एड.)ने संजय कुमार गुप्ता को सुल्तानपुर जनपद का जिलाध्यक्ष और जानकी प्रसाद साहू को प्रदेश संरक्षक मनोनीत किया है और आशा व्यक्त किया है अतिशीघ्र जिला नगर इकाई एवं जनपद की समस्त विकास खण्डों में ऊर्जावान कार्यकर्ताओ को समायोजित कर मजबूत संगठन का निर्माण करेंगे। समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये

दंत शल्यक पर कार्रवाई

लखनऊ(आरएनएस)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पयागपुर, बहराइच में तैनात दंत शल्यक डॉ. पूनम पाल को भी बिना सूचना अनुपस्थित रहने, अनुशासनहीनता एवं उच्चादेशों की अव्हेलना करने हेतु बर्खास्त किए जाने के निर्देश उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को दिए हैं।

आरोप पत्र निर्गित करने के निर्देश

लखनऊ। छह चिकित्साधिकारियों, जिनमें चिकित्साधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हरोड़ा, सहारनपुर में तैनात डॉ. प्रवेश कुमार भाटिया, प्रभारी चिकित्साधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, देवीदासपुर, बहराइच डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, सीएमओ बरेली के अधीन तैनात तीन चिकित्साधिकारी डॉ. अमित कुमार, डॉ. दिव्या गौड़ एवं डॉ. शशांक वर्मा, साथ ही शाहजहांपुर सीएमओ के अधीन तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. रिजवान अहमद खान को उनके द्वारा शासकीय दायित्वों के प्रति लापरवाही बरतने हेतु आरोप पत्र तत्काल निर्गित किए जाने के निर्देश भी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की ओर से प्रमुख्य सचिव स्वास्थ्य को दिए गए हैं।

संयुक्त निदेशक से मांगा स्पष्टीकरण

लखनऊ(आरएनएस)। अप्रैल 2024 में मुख्य चिकित्साधिकारी, महाराजगंज के पद पर पदस्थ होते हुए महाराजगंज के नौतनवा में स्थापित अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर में किसी चिकित्साधिकारी की तैनाती न कर, सेंटर को क्रियाशील एवं सरकारी योजनाओं का संचालन न करने संबंधी प्रकरण को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक के पद पर तैनात डॉ. नीना वर्मा का स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश भी उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को दिए गए हैं।

दो-दो वेतन वृद्धियां रोकी

लखनऊ(आरएनएस)। तीन चिकित्साधिकारियों द्वारा अपने चिकित्सकीय दायित्वों के निर्वाहन में लापरवाही पर उनकी दो–दो वेतन वृद्धियां दो वर्ष के लिए रोक दी गई हैं। इनमें सीएमओ फिरोजाबाद के अधीन तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. मनीषा अग्रवाल, सीएमओ बागपत के अधीन तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. समीर गुप्ता तथा सीएमओ कानपुर देहत के अधीन तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. शिल्पी सोनकर शामिल हैं।

अराध्या प्रकाशन,मेरठ द्वारा 51 शिक्षकों को उत्कृष्ट 'शिक्षक सम्मान 2024'

मेरठ। आज चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय के प्रेमचंद सेमिनार हॉल में कवि सुदेश शदिव्यश के जन्मदिवस के अवसर पर साहित्य एवं साहित्यकारों को समर्पित अराध्या प्रकाशन,मेरठ द्वारा 51 शिक्षकों को उत्कृष्ट शशिक्षक सम्मान 2024श से उर्दू विभाग में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दो किताबों का भी विमोचन किया गया जिसमें एक पुस्तक उषा रानी की शिल्प की किताब और दूसरी पुस्तक नीलम कुमार की "नील की उडान" का विमोचन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यक्रम में कवि सुदेश दिव्य ने सस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। जिन्हें उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया, वे 51 शिक्षक हैं – गीता वर्मा, प्रीति शर्मा, सपना कुशवाहा, प्रदीप कुमार बाथम, हरिओम, डॉ. वेद प्रकाश, अमित गोयल, बलराम

ईश्वर चंद गंभीर, उग्रसेन, रश्मि अहलावत, पंकज अग्रवाल, राहुल धामा, गिरीशचन्द्र, मो.असलम शेख, इम्तियाज गोरखपुरी, शाइस्ता, अरशद सैफी रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में ओज कवि संजीव त्यागी, कवयित्री रिचा सिंह, नगीन जैन, अक्षत, आर्यन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के आयोजक अराध्या प्रकाशन तथा संयोजक अंजलि प्रताप रहीं, संचालन रचना वानिया ने किया। कार्यक्रम के अंत में कवि सुदेश दिव्य ने सभी शिक्षकों एवं अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में उर्दू विभाग से डॉ. अलका वशिष्ठ, डॉ. इरशाद स्यानवी,सईद अहमद सहारनपुरी, मुहम्मद शमशाद आदि का सहयोग रहा।

सावधानः हर किसी से न लें मदद, पड सकते हैं मुसीबत में

-मथुरा मददगार बन कर ठगने वाले चार अंतरराज्यीय ठग दबोचे

(मथुरा) थाना सदर बाजार पुलिस ने कम जानकारी वाले लोगों के एटीएम बदलकर धोखाधड़ी करके ठगी कर रुपये निकालने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार शातिर ठगों को 72 बैंक एटीएम कार्ड, एक स्वैप मशीन, 5400 रुपये नगद, चार मोबाईल फोन, एक तमंचा, जिन्दा कारतूस एवं सहित एक स्विफ्ट कार से गिरफ्तार किया है। शातिर अंतर्राजीय ठग अक्षय उर्फ

विक्की पुत्र दिलबाग हाल निवासी ई शनि बाजार रोड सुलतानपुरी थाना सुल्तानपुरी जिला बाहरी दिल्ली, बलजीत पुत्र ऋषि पाल निवासी शनि बाजार रोड सुलतानपुरी थाना सुल्तानपुरी जिला बाहरी दिल्ली, धर्मपाल पुत्र चंद्र निवासी टिटाना थाना इमालका जनपद पानीपत तथा अनिल पुत्र सूरजभान निवासी इंद्रा कॉलोनी करतारपुरा थाना रोहतक सिटी जिला रोहतक हरियाणा को रामलीला मैदान कच्चा रास्ता औरंगाबाद थाना सदर बाजार मथुरा गिरफ्तार किया गया। अक्षय के विरूद्ध 14, बलजीत के विरूद्ध आठ, धर्मपाल के विरूद्ध चार और अनिल के विरूद्ध कुल तीन आपराधिक मामलों की पुलिस को जानकारी हुई। पुलिस इनका अपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है। प्रभारी निरीक्षक थाना सदर बाजार संजीव कुमार दुबे ने बताया कि ये लोग सडक के किनारे या ऐसे स्थानों पर लगे ए.टी.एम जहां अस्थाई लोग या आने जाने वाले लोग एटीएम से पैसे निकालते हो ये लोग तीन से चार की संख्या में पहले से ही खडे हो जाते है, कम जानकारी रखने वाले लोग जब एटीएम से पैसा निकालने आते है तो उनकी मदद के बहाने पिन आदि की जानकारी करके अपने पास रखे हुए एटीएम उन्हें दे देते है और उनके एटीएम लेकर या तो पास के एटीएम से या अपने पास मौजूद स्वैप मशीन से रुपये निकाल लेते है या खरीदारी कर लेते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव 'ओडिसी इण्टरनेशनल–2024' का तीसरा दिन

लखनऊ, 2 सितम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के तत्वावधान में सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में चल रहे चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव 'ओडिसी इण्टरनेशनल–2024' का तीसरा दिन आज ज्ञान, कला, रचनात्मक सोच व सृजनात्मक प्रतिभा के इन्द्रधनुषी रंगों से सराबोर रहा।

नेपाल, श्रीलंका एवं देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे प्रतिभागी छात्रों ने आज ड्रामा, क्रिएटिव राइटिंग एवं फिल्म मेकिंग आदि विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं में अंग्रेजी साहित्य के विभिन्न पहलुओं को उजागर कर दर्शकों की तालियां बटोरी तो वहीं दूसरी अपनी रचनात्मक व सृजनात्मक प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया।ओडिसी इण्टरनेशनल में आज प्रतियोगिताओं का सिलसिला जूनियर वर्ग की ला थियेटर ग्रेक (ड्रामा) प्रतियोगिता से हुआ, जिसके माध्यम से छात्रों ने अभिनय कला एवं अंग्रेजी साहित्य के ज्ञान का भरपूर प्रदर्शन किया। 'क्रिएटिव आउटबर्स्ट ऑफ द ड्रामेटिस्ट्स ऑफ द मार्डन इरा इन इंग्लिश लिटरेचर' थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों शेक्सपीयर व अन्य प्रसिद्ध नाटककारों के लिखे नाटकों का अत्यन्त ही जीवन्त मंचन किया। इसी प्रकार, सीनियर वर्ग की क्रिएटिव राइटिंग प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मक सोच व लेखन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सीनियर वर्ग की फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता भी आज के प्रमुख आकर्षण में शामिल रही।'ओडिसी इण्टरनेशनल–2024' का आयोजन 31 अगस्त से 3 सितम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है, जिसमें अमेरिका, इंग्लैण्ड, रूस, नेपाल, श्रीलंका एवं देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे लगभग 500 छात्र व विशेषज्ञ प्रतिभाग कर रहे हैं।

थाना लोहियानगर पुलिस द्वारा 02 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, कब्जे से 03 चोरी की मोटर साईकिल बरामद।

मेरठ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ के आदेशानुसार जनपद मेरठ में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी

कोतवाली के कुशल निर्देशन में आज दिनांक 01.09.2024 को दौराने चौकिंग थाना लोहियानगर पुलिस द्वारा दो अभियुक्तों को घोसीपुर बिजलीघर चोराहे कूडायार्ड के पास समय 15.00 बजे गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तगण के कब्जे से 03 मोटर साईकिल स्पलेन्डर रंग काला बरामद हुई। दोनों अभियुक्त से मोटर साईकिल बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मुखर्जीनगर दिल्ली पर मु0अ0सं0 19705 दिनांक 07.07.2024 व थाना लोहियानगर पर मु0स0अं0 409ध्2024 धारा 303(2) वीएनएस पंजीकृत है। अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना लोहियानगर पर मु0अ0सं0 410ध्2024 धारा 317(2)ध्317(4) वीएनएस पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण को समय से मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः-

1.प्रिन्स पुत्र विल्लू निवासी ग्राम भटीपुरा ताना किठौर मेरठ।
2.रजत कुमार उर्फ राजा पुत्र अशोक कुमार निवासी मऊखास थाना मुण्डाली मेरठ।
बरामदगी का विवरणः–
1.स्पलैंडर मोटर साइकिल रंग काला न0 DL1SAB5041, चेसिस नं0 MBLHAR0880HHC43396
2.स्पलैंडर मोटर साइकिल रंग काला न0 UP15DW5304 चेसिस नं0 MBLHAW12XNHG01155
3.स्पलैंडर मोटर साइकिल रंग काला न0 UP15CS3491 चेसिस नं0 MBLHAR085JHG43606
अभियुक्त प्रिन्स का आपराधिक इतिहासः
1.मु0अ0सं0 409/2024 धारा 303(2) बीएनएस थाना लोहियानगर मेरठ
2.मु0अ0सं0 410/2024 थाना 317/(2)/317(4) भादवि थाना लोहियानगर मेरठ
अभियुक्त रजत कुमार उर्फ राजा का आपराधिक इतिहासः
1.मु0अ0सं0 409/2024 धारा 303(2) बीएनएस थाना लोहियानगर मेरठ
2.मु0अ0सं0 410ध्2024 थाना 317/(2)/317(4) भादवि थाना लोहियानगर मेरठ
गिरफ्तार करने वाली टीमः–
1.प्र0नि0 संजय कुमार पाण्डेय थाना लोहियानगर
2.व0उ0नि0धर्मेन्द्र सिंह थाना लोहियानगर
3.उ0नि0 सुभाष चन्द थाना लोहियानगर
4.उ0नि0 यूटी जितेन्द्र वर्मा थाना लोहियानगर
5.है0का0 राजकुमार थाना लोहियानगर
6.है0का0 सिंहराज थाना लोहियानगर
7.का0 सुमित कुमार थाना लोहियानगर

मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह की हुई तैयारी बैठक

अयोध्या(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी ने महानगर कार्यालय पर बैठक कर पार्टी पार्षदों व कार्यकर्ताओ को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए दिशा निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन महासचिव हामीद जाफर मीसम ने किया बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा प्रत्येक वर्ष 4 सितंबर को कार्यक्रम के संस्थापक पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे द्वारा मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है जिसका आयोजन शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह और उनकी पूरी कमेटी के नेतृत्व में किया जाता है जिसमें प्रस्तावित कमेटी द्वारा चुने गए पांच शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम में सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल मुख्य आतिथ के रूप में आ रहे है। इस मौके पर महानगर कमेटी के सभी पदाधिकारी पार्षद पूर्व पार्षद नेता एवं कार्यकर्ता सहादतगंज बाईपास से लेकर महानगर कार्यालय तक उनका जगह–जगह माला पहनाकर स्वागत करेंगे ,महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हामीद जाफर मीसम, प्रदेश सचिव राम अचल यादव,प्रदेश सचिव मो हलीम पप्पू,उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव रियाज अहमद टेनी , महानगर सचिव जगन्नाथ यादव, वीरेंद्र गौतम, रामनेवल पाल शिक्षक सभा जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह, महासचिव डॉक्टर घनश्याम यादव, महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल, मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड अध्यक्ष मंजीत यादव, छात्र सभा अध्यक्ष अजय मिश्रा,सिकंदर चौधरी, पार्षद विशाल पाल टिंकू, अरावनी पासवान राम भवन यादव, नौशाद मामा, सर्वजीत यादव महेंद्र शुक्ला, लूलूर यादव,कृष्ण गोपाल यादव, वकार अहमद, अखिलेश पांडे, राशिद सलीम घोसी, मंसूर प्रधान, मुकेश कोरी फरीद कुरैशी, योगेश श्रीवास्तव ,अमन सागर, प्रवीण राठौर, कौशल प्रधान, सुरेंद्र प्रधान,ऋतुराज सिंह,अजय यादव,जितेंद्र यादव, सूर्यभान यादव, शाहबाज लकी महमूद खान आदि लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता की शुरूआत चार से

-दो दिवसीय प्रतियोगिताओं का आरंभ पूरा बाजार ब्लाक से होगा

अयोध्या(आरएनएस)। लोकसभा क्षेत्र फैजाबाद के सभी ब्लाकों में प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता की शुरूआत 4 सितम्बर से पूरा ब्लाक से की जाएगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन पूरा बाजार के बच्चू लाल इंटर कालेज में एमएलसी हरिओम पाण्डेय द्वारा सुबह 10 बजे किया जाएगा। 5 सितम्बर को 3 बजे समापन पूर्व सांसद लल्लू सिंह करेंगे। सभी ब्लाकों में दो दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। लोकसभा क्षेत्र के सभी 13 ब्लाकों में ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता के ग्राम पंचायत की टीमें प्रतिभाग करेंगी। ब्लाक स्तर पर विजेता तथा उपविजेता टीमों का फाइनल लोकसभा स्तर पर आयोजित किया जाएगा। जिसमें कबड्डी, वॉलीबाल तथा रस्साकसी की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। बीकापुर ब्लाक में तैयारियों को लेकर आयोजन समिति की बैठक की गई। बैठक में पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि पुरानी सरकारें खेल को प्रोत्साहन नही देतीं था इस कारण युवा खेलों को कैरियर के रूप में नही लेते थे। पीएम मोदी की सरकार में खेल तथा खिलाडियों को मिलने वाले प्रोत्साहन से युवा इसको प्रोफेशन के तरह से ले रहे है। आज युवाओं की सोच बदली है। हमारे गांवों के प्राचीन खेलों को इस तरह प्रतियोगिता में शामिल करने से उन खेलों को पुर्नस्थापित होने का मौका मिला है।उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेलों का प्रयोग अपने जीवन में लोग कई प्रकार से करते है। शारीरिक व मानसिक विकास में इसका महत्वपूर्ण रोल रहता है। खेलों को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्रतिभाएं मौजूद है। जिनमें निखार लाने के लिए प्रतियोगिताओं के माध्यम से मंच प्रदान किया जाता है। उन्होंने आयोजन समिति के सदस्यों से सभी तैयारियों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक के उपरान्त वृक्षारोपण भी किया गया। बैठक में बीकापुर प्रधानमंत्री खेल समिति के संरक्षक राकेश पाण्डेय राना, दिनेश वर्मा, सुनील सिंह राजपूत, अध्यक्ष अमरनाथ पाण्डेय, भोला शंकर शुक्ला, लल्लन भारती, राम सहाय निषाद, भरत जी जायसवाल, रामपाल वर्मा सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

तीन ग्राम पंचायत में हुई प्रधानमंत्री आवास की खुली बैठक

सोहावल–अयोध्या(आरएनएस)। विकास खण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत महोली,देवराकोट व धनीपुर में प्रधानमंत्री आवास के पात्रों के लिए ग्राम पंचायत के सचिवालय स्थित सभागार में सोमवार को खुली बैठक किया गया। प्रधान व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सर्वेश सिंह चौहान, प्रधान मनोज सिंह व प्रधान जीत बहादुर ने बताया कि पंचायत के सभी पात्रों ने आधार कार्ड देकर अपना आवेदन किया। तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी सुशील पांडेय , अखिलेश सिंह,इच्छा राम प्रियदर्शी ने बताया

–शिकायत करने पहुंचे खातेदार कृषक को पुलिस ने थाने से डांट कर भगाया

-पीड़ित खातेदार ने मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचकर बताई आप बीती

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। पुश्तैनी खाते की भूमि पर किए जा रहे अवैध निर्माण की फरियाद लेकर पहुंचे खंडासा थाना क्षेत्र के घटौली गांव निवासी एक खातेदार युवक को थाना प्रभारी द्वारा लाठी डंडों से पिटाई किए जाने सहित मुकदमे में फंसा दिए जाने की धमकी दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। यही नहीं इलाकाई पुलिस की मिली भगत से खातेदार युवक की पैतृक भूमि पर दबंग द्वारा जबरिया कब्जा भी किया जा रहा है। घटना के बाद पीड़ित खातेदार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचकर आप बीती बताते हुए न्याय की गुहार की है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक अयोध्या के खण्डासा थाना क्षेत्र के घटौली गांव निवासी सुनील तिवारी ने आरोप लगाया है कि पुलिस की मिली भगत से उसकी मंझनपुर ग्राम के अमरगंज बाजार स्थित पैतृक बैनामे की जमीन गाटा संख्या 753 रकबा 446 एअर है। इस भूखंड में उर्मिला पत्नी कमलेश कुमार, आकाश पुत्र कमलेश अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। जब पीड़ित कृषक खातेदार ने इसका विरोध किया तो पुलिस ने उसे डांटकर थाने से भगा दिया। पीड़ित ने बताया कि उसकी जमीन पर उक्त लोग अवैध निर्माण कर रहे हैं और जब उसने इसका विरोध किया तो उन्होंने उसे धमकी देना शुरू कर दिया। पीड़ित किसान ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने उसकी शिकायत को अनसुना करते हुए उल्टे पीड़ित को ही डांटकर थाने से भगा दिया और कहा कि वह अपनी जमीन के बारे में क्यों परेशान हो रहा है। पीड़ित खातेदार अब न्याय के लिए दर–दर की ठोकरें खा रहा है। लेकिन कोई भी उसे न्याय नहीं दिला पा रहा है। पीड़ित किसान सुनील तिवारी का कहना है कि पुलिस क्षेत्राधिकारी व एसडीएम मिल्कीपुर को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर उन्होंने काम रुकवाने का निर्देश भी दिया था। उस आदेश को मैंने ले जाकर खण्डासा पुलिस को दिया। लेकिन थानाध्यक्ष ने मेरा कोई दस्तावेज व कागज को नहीं देखा और थाने से डांट कर भागते हुए मेरे भी पक्षी से कहा कि तुम निर्माण करो अगर नहीं मानेंगे तो इन्हें 20 लाठी लगाकर ठीक कर दूंगा। पीड़ित का यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फिलहाल अब देखिए पीड़ित खातेदार की मदद में तहसील से लेकर जनपद का कौन सा प्रशासनिक अधिकारी आगे आता है, यह तो भविष्य के गर्त में है।

मुख्यमंत्री आवास घेराव की घोषणा के बाद हाउस अरेस्ट हुए कृपा निधान तिवारी

-मुख्यमंत्री के आदेश की ब्राह्मण संगठन ने की निंदा

अयोध्या(आरएनएस)।अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक एवं श्री श्री परशुराम सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष संयुक्त ब्राह्मण संघर्ष समिति के संयोजक पंडित कृपा निधान तिवारी के पांच कालिदास मार्ग लखनऊ के घेराव की घोषणा के बाद उनके आवास पर भारी पुलिस बल ने आकर हाउस अरेस्ट कर लखनऊ जाने से रोक दिया अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार श्री तिवारी अपने आवास बैसिंह तिवारी का पूरा में जैसे ही घर से लखनऊ जाने के लिए बाहर निकले भारी पुलिस दलबल के साथ इंस्पेक्टर पूरा कलंदर देवेन्द्र कुमार सिंह ने रोक लिया मुख्यमंत्री के इस निरोधात्मक कार्यवाही से नाराज ब्राह्मणों के ध्वजवाहक पंडित कृपा निधान तिवारी ने ब्राह्मणों के हुई प्रदेश की घटनाओं पर मुख्यमंत्री द्वारा संज्ञान न लेने पर चिंता जाहिर करते हुए अपने पांच सूत्रीय ज्ञापन जिसमें हाथरस जिले में हुए ब्राह्मण उमेश उपाध्याय की हत्या अभियुक्त की गिरफ्तारी के साथ प्रभु नाथ मिश्रा दशरथ मेडिकल कॉलेज अयोध्या धाम के ब्राह्मण युवक की हत्या की एफ आई आर दर्ज करने के लिए प्रदेश नेतृत्व से अपनी मांग भेजी है। श्री तिवारी ने पूरे प्रदेश और मिल्कीपुर उपचुनाव में लगभग नब्बे हजार ब्राह्मणो द्वारा नाराजगी लेने पर भाजपा को हार का मुंह देखना पड सकता है। ब्राह्मणों की आवाज पूरे प्रदेश में दबाने और बुलडोजर की कार्रवाई न करने पर श्री तिवारी ने चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री की इस दोहरी कार्य प्रणाली पर हैरानी व्यक्त किया है जबकि ब्राह्मण हमेशा से भाजपा के साथ है। पूरे प्रदेश से ब्राह्मणों के नेता के आवाहन पर 11:00 बजे दिन में लखनऊ कालीदास मार्ग मुख्यमंत्री आवास घेरने का पूर्व नोटिस के अनुसार कार्यक्रम है। इस अवसर पर श्री तिवारी के आवास पर उनके संगठन के सैकड़ो पदाधिकारी युवा साथी लखनऊ जाने के लिए उपस्थित हुए जो प्रशासन की रोक के कारण लखनऊ प्रस्थान नहीं कर सके। जिसकी प्रदेश के ब्राह्मण संगठनो ने एक स्वर से निंदा की है।

भाजपा महानगर में बनाएगी 80 हजार सदस्य

अयोध्या(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता महाअभियान की शुरूआत दिल्ली के केन्द्रीय कार्यालय में हुई। महानगर में कार्यकर्ता सहादतगंज स्थित पार्टी कार्यालय से लाइव के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। पार्टी कार्यालय में 172 लोगों मिस्ड कॉल के माध्यम से डिजिटल रूप में पार्टी के सदस्य बने। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर इसी सप्ताह में समारोह पूर्वक स्थानीय स्तर पर भी सदस्यता अभियान की शुरूआत की जाएगी।इस दौरान महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर महानगर में इसी सप्ताह में समारोह पूर्वक सदस्यता अभियान प्रारम्भ किया जाएगा। कार्यकताओं को जिम्मेदारियां देते हुए तैयारियां कर पूर्ण कर ली गई है। महानगर के प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि सदस्यता अभियान पार्टी का महापर्व है। सभी कार्यकर्ता अधिक से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्य बनाएं। संवाद तथा सम्पर्क द्वारा लोगों को पार्टी में वैचारिक रूप से जोडेध। कार्यकर्ता घर–घर सम्पर्क अभियान चला कर सरकार की योजनाओं की चर्चा अवश्य करें। अंतिम व्यक्ति तक पहुंच कर उन्हें पार्टी का सदस्य बनाएं।विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सबका साथ सबका विकास की योजनाओं को लोगों को बताते हुए उन्हें पार्टी का सदस्य बनाएं। मौके पर सदस्यता बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, ओम प्रकाश सिंह, अभिषेक मिश्रा, शक्ति सिंह आशा गौड़, अभियान के संयोजक शैलेन्द्र कोरी, प्रतीक श्रीवास्तव, तिलकराम मौर्या, राकेश मणि त्रिपाठी, अनीता सिंह, संजय निषाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस ने दरिंदगी करने वाले आरोपियों को जमानत मिलने पर सरकार की किया निंदा

अयोध्या(आरएनएस)। कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने अपने संयुक्त बयान में वाराणसी के बीएचयू में आईआईटी में बीटेक की छात्रा से दरिंदगी करने वाले भाजपा आईटी सेल से जुड़े आरोपियों को हाई कोर्ट से जमानत मिलने पर सरकार की निंदा की। जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा जिला प्रवक्ता सुनील कृष्णा गौतम ने अपने बयान में कहा कि कई दिनों तक छात्रों और कांग्रेस पार्टी के द्वारा किए गए आंदोलन के बाद आरोपियों गिरफ्तार किया गया था जबकी भाजपा के बड़े नेता उन्हें बचाने में लगे थे।

कीमती जमीन के कब्जेदारी को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

सोहावल– अयोध्या(आरएनएस)।रौनाही थाना क्षेत्र की ग्राम सभा पिलखावां के मजरे अरकुना में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर कब्जेदारी को लेकर दो पक्ष आमने सामने हो गये। एक गरीब युवक धनीराम का आरोप है कि उसकी जमीन पर जबरिया निर्माण कराया जा रहा है। युवक ने इसकी शिकायत एस एस पी से कर चुका है। थाने पर भी शिकायती पत्र दिया है। निर्माण कार्य कराने वाले पीड़ित युवक को जान से मार डालने की धमकी दे रहे हैं। युवक का आरोप है कि इस कार्य में कुछ स्थानीय लोंगो का सानिध्य है। भूमि हाईवे सड़क किनारे की है।इस मामले में जबरदस्ती कमजोर और गरीब की भूमि पर कब्जा करने वाले लोग शामिल बताये जा रहे हैं। शिकायत के बाद कोई सुनवाई नहीं है। पूंछे जाने पर रौनाही थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है।

आजादी के नायकों का चरित्र हनन करने में लगी है सरकार – सूर्यकांत पाण्डेय

अयोध्या(आरएनएस)। काकोरी ऐक्शन शताब्दी वर्ष की श्रृंखला में रविवार को मोहबरा बाजार स्थित मधुर कुंज में वरिष्ठ पत्रकार अमर नाथ वर्मा के संयोजकत्व में "क्रांतिकारियों के सपने और आज का भारत" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण प्रताप सिंह ने तथा संचालन भाकपा जिला सचिव अशोक कुमार तिवारी ने किया।

गोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए भाकपा नेता सूर्यकान्त पाण्डेय ने कहा कि मौजूदा सरकार आजादी के इतिहास को तोड़ मरोड़कर पेश करने और आजादी के नायकों का चरित्र हनन में लगी है। ऐसे हमें वास्तविक इतिहास व उनके सपनों को जनता के बीच ले जाने की जरूरत है। गोष्ठी में अपनी बात रखते हुए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० अनिल कुमार सिंह ने कहा कि सरकार इतिहास में गलत तथ्यों को प्रस्तुत करते हुए आम जनमानस में भ्रम पैदा कर अपने एजेंडे को पूरा करने में लगी है जिससे समाज में विभाजन व हिंसा का वातावरण बनता जा रहा है। आजादी की मूल भावना को जागृत कर बेहतर समाज और राष्ट्र निर्माण को बनाने की तरफ आगे बढ़ना होगा। भाकपा (माले) के जिला प्रभारी अतीक अहमद ने कहा कि आजादी के पचहत्तर साल बीत जाने के बाद भी देश में सामाजिक और आर्थिक असमानता भयानक रूप से दिखाई दे रही है। सामाजिक न्याय का प्रश्न आज भी देश के वंचित समुदाय की शिराओं में गूंज रहा है। कांग्रेस नेता कमलेश यादव ने कहा कि विद्यालयीय पुस्तकों के पाठ्यक्रम में फेरबदल कर आने वाली पीढ़ियों के दिमाग से वास्तविक इतिहास को मिटा देने की साजिश रची जा रही है जो देश के लिए घातक है। सपा नेता विजय बहादुर वर्मा ने समाज में हो रहे उथल–पुथल की चर्चा करते हुए कहा कि आज सही बात कहना भी अपराध हो गया है। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष वंशीलाल यादव ने बेहतर समाज बनाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने बल दिया। सामाजिक कार्यकर्ता आफाक उल्ला ने भगतसिंह और उनके साथियों के क्रांतिकारी इतिहास की विस्तार से चर्चा की।

संपादकीय

भाजपा के अंदर असंतोष उबाल

मोदी–शाह की जोड़ी बाहरी नेताओं से भाजपा को भरती चली गई है। इसको लेकर पहले भी भाजपा के अंदर असंतोष उबलता होगा। मगर मोदी–शाह को किसी ने कदम वापस पर लेने पर मजबूर किया हो, इसकी मिसाल कम ही होगी।

नरेंद्र मोदी– अमित शाह के दौर में यह भारतीय जनता पार्टी के लिए नया अनुभव है। पहले कई नीतिगत मामलों में केंद्र को अपने निर्णय एवं इरादे से पीछे हटना पड़ा और अब ऐसा पार्टी के अंदर होना शुरू हो गया है। इस पूरे संदर्भ को ध्यान में रखें, तो जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की जारी पहली लिस्ट का वापस लिया जाना महत्त्वपूर्ण घटना बन जाता है। यहां प्रत्याशी सूची में कोई इक्का–दुक्का परिवर्तन नहीं हुआ। ना ही ऐसा नेतृत्व ने अपने आकलन के आधार पर ये कदम उठाया। 44 सदस्यों की जारी लिस्ट को कुछ देर में ही इसलिए वापस लेना पड़ा, क्योंकि जम्मू इलाके के भाजपा नेताओंध् कार्यकर्ताओं में उसको लेकर गुस्सा फूट पड़ा। प्रमुख शिकायत यह थी कि पार्टी में जीवन खपा देने वाले नेताओं की उपेक्षा करते हुए कुछ समय पहले ही दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाया गया है। लेकिन मोदी–शाह के युग में इस तरह टिकट देना कोई नई बात नहीं है।

चुनाव जीतने की क्षमता को प्रमुख प्राथमिकता बना कर यह जोड़ी विभिन्न राज्यों में बाहरी नेताओं से भाजपा को भरती चली गई है। स्पष्टतरू इसको लेकर भाजपा के अंदर असंतोष उबाल लेता होगा। मगर मोदी–शाह को पार्टी के किसी खेमे ने कदम वापस पर लेने पर मजबूर किया हो, इसकी मिसाल कम ही होगी। इस दौर की आम समझ यह रही है कि गुजरात से उभरते हुए इन दोनों नेताओं ने पहले भाजपा, और फिर देश की राज्य–व्यवस्था पर अपना वर्चस्व बना लिया। संभवतरू इसमें वे इसलिए कामयाब रहे, क्योंकि उनकी पीठ पर अति प्रभावशाली हितों ने दांव लगा रखा है। लेकिन 2024 के आम चुनाव में लगे झटकों के बाद समीकरण बदलने के संकेत हैं। जिस तरह पार्टी ने सांसद कंगना राणावत के किसान विरोधी बयानों से किनारा किया है, वह भी एक नई प्रवृत्ति का संकेत है। यह सारा घटनाक्रम भारत के राजनीतिक परिदृश्य में युग परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू होने का संकेत देता है। इससे फिर पुष्टि हो रही है कि लोकतंत्र में जो वोट खींचने में जितना सक्षम हो, उसी अनुपात में उसका सिक्का चलता है।

आभूषणों को कुपात्रों की झोली में डालना बेवकूफी

पूरे एक दशक अकांडतांडव में रत रहने वाले टीवी–सूत्रधारों और अखघ्बारी–कलमकारों के परिस्थितिजन्य ताल–बदलू उपक्रम को उन का सच्चा हृदय परिवर्तन समझने वाले नासमझों को कोई समझाए कि सांसारिक लीलाएं इतनी बेलोच नहीं हुआ करती हैं कि आप उन पर ऐसे सरपट रपटने लगें।ज् जन्मजात अंध खोपडियों ने पूरे दस बरस कथन और लेखन के अक्षरविश्व में जैसा नग्न–धमाल मचाया, उसे ऐसे ही विस्मृत कर देना नादानी होगी।दस साल से देश की छाती पर नरेंद्र भाई मोदी की नफरती–कार्यावली की मूंग हर रोज पूरे जोरशोर से दल रहे मीडिया–अनुचरों में से कुछ के सुर 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद से बदलने क्या शुरू हुए, मैं देख रहा हूं कि, बहुत–से जनोन्मुखी पुरोधा बड़ी अभिभूत–मुद्रा में थिरक रहे हैं। इन भावुक–मूर्खों को केंचुल–रूपांतर का उत्सव मनाते देख मैं तो भौचक हूं। पूरे एक दशक अकांडतांडव में रत रहने वाले टीवी–सूत्रधारों और अखघ्बारी–कघ्लमकारों के परिस्थितिजन्य ताल–बदलू उपक्रम को उन का सच्चा हृदय परिवर्तन समझने वाले नासमझों को कोई समझाए कि सांसारिक लीलाएं इतनी बेलोच नहीं हुआ करती हैं कि आप उन पर ऐसे सरपट रपटने लगें। जन्मजात अंधखोपडियों ने पूरे दस बरस कथन और लेखन के अक्षरविश्व में जैसा नग्न–धमाल मचाया, उसे ऐसे ही विस्मृत कर देना नादानी होगी। यह समय गोस्वामियों, चौधरियों, सिन्हाओं, कश्यपों, देवगनों, चोपड़ाओं, सिन्हाओं, नरसिंहमनों, श्रीवास्तवों, अरूरों, रजतों, नविकाओं, वगैरह–वगैरह की करतूतों को भूलने का नहीं है। यह समय पुरियों, चंद्राओं, गुप्ताओं, पांडाओं, कोठारियों, ए–1, ए–2, वगैरह–वगैरह के अपकर्मों को क्षमादान की गंगधारा में तिरोहित करने का नहीं है। यह समय तो इन सभी के कुकर्मों को इतिहास की पाशाण शिला पर स्थायी तौर से उकेरने का है। आज जो अपनी भावप्रवणता पर काबू नहीं रखेंगे, वे गच्चा खाने के बाद कल अपनी मूढ़ता पर आंसू बहा रहे होंगे।

क्षमा धर्म है। क्षमा यज्ञ है। क्षमा वेद है। क्षमा शास्त्र है। क्षमा तेजस्वी पुरुषों का तेज है। क्षमा तपस्वियों का ब्रह्म है। क्षमा सत्यवादियों का सत्य है। क्षमा करना आत्म–प्रेम का कार्य है। क्षमा आल्हादकारी है। क्षमा बलमशक्तानाम् शक्तानाम् भूषणम् क्षमा। क्षमा वशीकृते लोके क्षमयारू किम् न सिद्धयति। क्षमा वीरस्य भूषणम। बचपन से हम अपने बुजुर्गों से यह सब सुन रहे हैं। सुन रहे हैं और गुन रहे हैं। गुन रहे हैं और मान रहे हैं। मगर मैं आप को बताता हूं, और मेरी बात मानना–न–मानना आप के मन की बात है, कि इन तमाम सूक्तियों की रचना–अपकृति आज के युग में स्वयं ही क्षम्य है। क्षमा वीरों का आभूषण जरूर है, लेकिन जो आंख बंद कर अपने आभूषणों को कुपात्रों की झोली में डाल देते हैं, समाज उन्हें वीर नहीं, बेवकूफ मानता है।

इसलिए नाहक वीर–पन मत दिखाइए। फिजघ्ल में दरियादिल बनने की दरकार नहीं है। यह जो मोहिनीअट्टम पर्दों और पन्नों पर ताजा–ताजा शुरू हुआ है, उसे देख कर बेसुध मत होइए। इन अदाओं पर गश खा कर गिरेंगे तो अगले एक–दो दशक हम–आप फिर नहीं उठ पाएंगे। यह परिवेश आप को बरगलाने के लिए रचा जा रहा है। अपने भोलेपन के कारण जिन के चेहरों पर आप को पश्चात्ताप की झलक दिखाई दे रही है, उन की आंखों में बैठे बहेलिए को ध्यान से देखिए। उन की मोहक पंक्तियों के बीच पसरे कांइयापन को पढने की कोशिश करिए। इस असलियत की परतों का जायजा लेने के लिए किसी खघ्र्दबीन की जरूरत नहीं है। ये परतें तो वैसे ही उधड़ी हुई हैं। जिन्हें नहीं दिखाई दे रहीं, उन का कोई क्या करे!

मौसम के हिसाब से कपड़े बदलने वालों पर रीझ रहे दयालुओं से मैं तो यही अनुनय–विनय कर सकता हूं कि मत्स्य–वेध की तैयारियों के वक्घ्त दिग्भ्रमित होने–करने के बजाय थोड़े दिन अपना दिल थोड़ा संभाल कर रखिए। फिघ्दा–हुसैन बन कर बेली डांस करने के बजाय विक्रमादित्य बन कर न्याय सिंहासन पर बैठिए। मत भूलिए कि इन्हीं मरदूदों की वजह से आज भारतीय समाज इस कदर क्षत–विक्षत है। लोकतंत्र के यज्ञ को बाधित करने पर उतारू शासक–दल के मंसूबों को पूरा करने की होड़ में लगे मीडियासुरों को अगर सामाजिक दंड विधान के नियमों का पालन किए बिना रिहाई दे दी गई तो आने वाली पीढियां आज की पीढ़ी को कैसे माफ करेंगी?

अभी तो रंग–बदलू दौर शुरू हुआ भर है। आने वाले दिनों में हम–आप अलग–अलग अनुचर–टोलियों की और भी नई–नई कलाबाजियां देखेंगे। नौकरशाही से ले कर शिक्षा और संस्कृति संस्थानों तक में टांग पसारे पड़े बहुत–से मूर्धन्य चेहरों की रंगत भी तेजी से बदल रही है। ये अजीमुश्शान शक्घ्लें अपने लिए नए ठौर तलाशनें घरों से निकल चुकी हैं और कई दहलीजों पर सीस–नवाऊ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने लगी हैं।

उत्तर प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों से सियासी जमीन तैयार करने की कोशिश

योगी सरकार ने सबसे पहले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन किया। इसके बाद पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, और सदस्यों की नियुक्ति की गई। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष की भी नियुक्ति की गई है।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद उपचुनाव से पहले संगठन को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। पिछले ढाई वर्षों से लंबित पड़ी राजनैतिक नियुक्तियों का सिलसिला अब प्रदेश में आरंभ हो गया है। इन नियुक्तियों के माध्यम से योगी सरकार बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को विभिन्न निगम, आयोग, और बोर्ड में चेयरमैन और सदस्य के रूप में नियुक्त करके उन्हें संतुष्ट करने की कोशिश में जुटी हुई है। यह रणनीति सरकार द्वारा सामाजिक समीकरणों को फिर से मजबूत करने की एक महत्वपूर्ण योजना मानी जा रही है।उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का दूसरा कार्यकाल 25 मार्च 2022 को आरंभ हुआ था। इसके बाद से ही बीजेपी कार्यकर्ता राजनैतिक नियुक्तियों की प्रतीक्षा कर रहे थे। हालांकि, सरकार और संगठन के बीच तनातनी के कारण आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, और सदस्यों के नामों पर सहमति नहीं बन पा रही थी। हाल ही में लखनऊ में संघ, सरकार, और संगठन के बीच हुई एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद राजनैतिक नियुक्तियों का यह सिलसिला शुरू किया गया है।योगी सरकार ने सबसे पहले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन किया। इसके बाद पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, और सदस्यों की नियुक्ति की गई। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष की भी नियुक्ति की गई है। यह नियुक्तियां ढाई साल के अंतराल के बाद की गई हैं, जिससे प्रदेश के राजनैतिक समीकरणों को साधने की कवायद की जा रही है।उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में सीतापुर के पूर्व सांसदराजेश वर्मा को नियुक्त किया गया है। साथ ही मिर्जापुर के सोहन लाल श्रीमाली और रामपुर के सूर्य प्रकाश पाल को उपाध्यक्ष नामित किया गया है। इसके अलावा आयोग में 24 अन्य सदस्यों को भी शामिल किया गया है, जिनमें सत्येंद्र कुमार बारी, मेलाराम पवार, फुल बदन कुशवाहा, विनोद यादव, शिव मंगल बयार, अशोक सिंह, ऋचा राजपूत, चिरंजीव चौरसिया, रवींद्र मणि, आरडी सिंह, कुलदीप विश्वकर्मा, लक्ष्मण सिंह, विनोद सिंह, रामशंकर साहू, डॉ. मुरहू राजभर, घनश्याम चौहान, जनार्दन गुप्ता, बाबा बालक, रमेश कश्यप, प्रमोद सैनी, करुणा शंकर पटेल, महेंद्र सिंह राणा और राम कृष्ण सिंह पटेल शामिल हैं।योगी सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग का भी गठन किया है। बाराबंकी के पूर्व विधायक बैजनाथ रावत को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि गोरखपुर के पूर्व विधायक बेचन राम और सोनभद्र के जीत सिंह खरवार को उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा आयोग में 17 अन्य सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है, जिनमें हरेंद्र जाटव, महिपाल बाल्मीकि, संजय सिंह, दिनेश भारत, शिव नारायण सोनकर, नीरज गौतम, रमेश कुमार तूफानी, नरेंद्र सिंह खजूरी, तीजाराम, विनय राम, अनिता राम, रमेश चंद्र, मिठाई लाल, उमेश कठेरिया, अजय कोरी, जितेंद्र कुमार, और अनिता कमल शामिल हैं।गोरखपुर यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग में लंबित पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। उपचुनाव से पहले योगी सरकार ने इन राजनैतिक नियुक्तियों के माध्यम से सियासी समीकरणों को साधने की कोशिश शुरू कर दी है।उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग की कमान कुर्मी समुदाय के नेता को सौंपी है, जबकि अन्य ओबीसी जातियों को उपाध्यक्ष के तौर पर नियुक्त किया गया है, जिसमें पाल समाज को भी अहम स्थान दिया

युक्तियुक्तकरण याने स्कूल बंदी, छंटनी और शिक्षा का भगवाकरण लड़ाई संविधान को बचाने की'

संजय पराते

छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा की बदहाली का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रदेश में 3000 से ज्यादा स्कूलों में प्राचार्य नहीं है और शिक्षकों के 8194 पद, सहायक शिक्षकों के 22000 से अधिक और व्याख्याताओं के 2524 पद रिक्त हैं। सरकार द्वारा संचालित 56333 स्कूलों में से 300 से अधिक स्कूल शिक्षकविहीन है, जबकि 5500 स्कूलों में एक ही शिक्षक है और 3978 प्राइमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकंडरी स्कूल एक ही परिसर में संचालित हो रहे हैं।संविधान सरकार को निर्देशित करता है कि स्कूली उम्र के हर बच्चे के लिए उसके रहवास वाले इलाके में शिक्षा का प्रबंध करो। यदि इस निर्देश का पालन करना है, तो नए स्कूल भवनों का निर्माण करना और शिक्षकों के खाली पदों को भरना किसी भी सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। लेकिन ऐसी प्राथमिकता भाजपा सरकार के एजेंडे में कैसे हो सकती है? यहां तो जो 10–15 हजार शिक्षक हर साल सेवा निवृत्त हो रहे हैं, इन पदों को पूरी खामोशी से खत्म किया जा रहा है।नए स्कूल भवन बनाने, पुरानों का जीर्णोद्धार करने और शिक्षकों की भर्ती करने के बजाय भाजपा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण के नाम पर स्कूलों को बंद करने और शिक्षकों का तबादला करने का अभियान चलाया जा रहा है। युक्तियुक्तकरण भाजपा का प्रिय काम है, जो स्कूली शिक्षा की वास्तविक चुनौतियों से आंख मूंदना चाहती है। भाजपा सरकार की इस मुहिम का प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों और मध्यान्ह भोजन मजदूर एकता यूनियन (सीटू) ने कड़ा विरोध किया है।पिछली भाजपा राज में भी युक्तियुक्तकरण के नाम पर 2000 से भी ज्यादा स्कूल बंद कर दिए गए थे। लगभग सभी ग्रामीण क्षेत्रों में थे और इसका शिकार वे हजारों ग्रामीण बच्चे हुए, जो दूसरे स्कूलों की गांव से ज्यादा दूरी होने के कारण और छात्राएं लैंगिक भेदभाव के कारण, शिक्षा क्षेत्र से बाहर हो गए। अब भाजपा के नए सायं–सायं राज में और 4077 स्कूल बंद किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन स्कूलों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या 10 से कम है। इस प्रकार 35000 से ज्यादा बच्चे स्कूली शिक्षा से बाहर किए जा रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि लगभग सभी बच्चे ग्रामीण क्षेत्र के, आदिवासी इलाकों के और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे ही होंगे। इसके साथ ही, एक तबादला उद्योग खोलकर बड़े पैमाने पर शिक्षकों को इधर से उधर किया जाएगा।लेकिन ऐसे युक्तियुक्तकरण की मार केवल बच्चों और शिक्षकों पर ही नहीं पड़ेगी, इन स्कूलों में काम करने वाले सफाई कर्मियों और मध्यान्ह भोजन बनाने वाले मजदूर भी इसका शिकार होंगे, जो आज तक न्यूनतम मजदूरी से वंचित हैं, इसके बावजूद ये काम उनकी आजीविका का सहारा बने हुए हैं। इन स्कूलों के बंद होने से 12000 से ज्यादा मध्यान्ह भोजन और अंशकालीन सफाई मजदूर बेरोजगार हो जाएंगे, जिनके पास स्थाईधनियमित रोजगार का और कोई साधन नहीं है। ये मजदूर अब ग्रामीण बेरोजगारों की फौज बढ़ाएंगे, या फिर किसी और काम की तलाश में शहरों की ओर पलायन करेंगे और शहरी दिहाड़ी मजदूर बनने के लिए मजबूर होंगे। भाजपा ने 2023 के चुनावी घोषणापत्र में वादा किया था कि मध्यान्ह भोजन मजदूरों को वर्तमान में मिलने वाले मानदेय में 50 प्रतिशत वृद्धि की जाएगी, लेकिन 10 माह बीतने के बाद भी इस दिशा में कोई काम नहीं हुआ है। हां, उनकी छंटनी जरूर की जा रही है। साफ है कि भाजपा सरकार के पास इन मजदूरों के काम और आजीविका की सुरक्षा का भी कोई एजेंडा नहीं है।मध्यान्ह भोजन मजदूर एकता यूनियन (सीटू) के संरक्षक समीर कुरैशी ने बताया कि यूनियन की इन्हीं चिंताओं से अवगत कराते हुए मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया है और युक्तियुक्तकरण की कार्यवाही रद्द करने के साथ ही इन मजदूरों को नियमित करने और न्यूनतम वेतन देने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि प्रभावित स्कूलों के पालकों, शिक्षकों और ग्रामीणों को साथ में लेकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने की कोशिश सीटू कर रही है।पूर्ववर्ती कांग्रेस राज में प्रदेश के हर ब्लॉक में उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से स्वामी आत्मानंद स्कूलों के नाम पर एक नवाचार किया गया था, जिसने निजी स्कूलों का विकल्प गढने की कोशिश की थी। इन स्कूलों की ओर आम जनता बड़े पैमाने पर आकर्षित हुई थी। लेकिन भाजपा कभी भी इन स्कूलों के पक्ष में नहीं रही। अब भाजपा के सत्ता में आने के बाद उत्कृष्ट शिक्षा के ये केंद्र धीरे–धीरे और अघोषित रूप से अपनी मौत मरने के लिए बाध्य हैं। इन स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों का संकट पैदा कर दिया गया है, इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का निर्माण करने वाले साधनों का अभाव पैदा किया जा रहा है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कहने के लिए तो बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जा रही है, लेकिन पहली से पांचवीं तक के बच्चों को निजी प्रकाशकों द्वारा मुद्रित औसतन 1000 रूपये की पाठ्येत्तर पुस्तकें खरीदवाई जा रही है। इन पुस्तकों की गुणवत्ता भी सोचनीय है। हर सरकारी स्कूल द्वारा अलग–अलग निजी प्रकाशकों की पुस्तकें चलाना उसी प्रकार के भ्रष्टाचार का संकेत है, जो निजी स्कूलों का हिस्सा है। जिस प्रदेश में 95 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 5000 रूपये से कम हो और औसत क्रय शक्ति ग्रामीण परिवारों के लिए 2446 रूपये तथा शहरी परिवारों के लिए 4483 रूपये मासिक हो, वहां पालकों पर पडने वाले इस अवहनीय बोझ और इसके कारण शिक्षा क्षेत्र से बाहर होने वालेध्रह जाने वाले छात्रों की कल्पना आसानी से की जा सकती है। असर की पिछले साल जारी रिपोर्ट बताती है कि छत्तीसगढ़ में 15 साल उम्र तक के 13.6 प्रतिशत बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। ये बच्चे स्कूली शिक्षा के दायरे से बाहर क्यों है, इस पर कभी भी भाजपा की सरकारों ने मंथन नहीं किया।

असर (एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट) की यही रिपोर्ट स्कूली बच्चों की पढने–लिखने की क्षमता को भी रेखांकित करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी स्कूलों में पढने वाले पांचवीं कक्षा के केवल 52.7 प्रतिशत बच्चे ही कक्षा–2 के स्तर का पाठ पढ़ पाते हैं, 22.8 प्रतिशत बच्चे ही भाग की क्रिया कर सकते हैं तथा केवल 11.3 प्रतिशत बच्चे ही अंग्रेजी का वाक्य पढ़ सकते हैं। पांचवीं के बच्चों का यह हाल है, तो निचली कक्षाओं के बच्चों की हालत समझ सकते है। बच्चों की इस दयनीय शैक्षणिक स्तर का सीधा संबंध स्कूली शिक्षा की बदहाली से है।

युक्तियुक्तकरण का एक दूसरा पहलू भी है

विपक्ष को समझना चाहिए

शकील अखघ्तर

सीबीआई ने चार्जशीट सौंपी है एक आरोपी के खिलाफ उसके अलावा अभी तक कोई सबूत नहीं है। मगर आंदोलन को और तेज और लंबा किया जा रहा है। बुधवार को बंगाल बंद है, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर। उससे पहले मंगलवार के प्रदर्शन में किस तरह पत्थर फेंके गए, पुलिस वाले घायल हुए। उसके बावजूद बुधवार को बंद का काल दिया गया, खुद भाजपा द्वारा। देश में कहीं और आंदोलन हो तो प्रधानमंत्री कहते हैं आन्दोलनजीवी। परजीवी। अरबन नक्सल। किसानों को कहा गया आतंकवादी, खालिस्तानी, मवाली देश को पूरा बेवकूफ समझ रखा है।

बंगाल में बीजेपी निर्भया प्रयोग दोहरा रही है। जैसे दिल्ली में निर्भया बलात्कार में आरोपी गिरफ्तार होने के बाद भी बीजेपी और उसके उस समय के मुखौटे अन्ना हजारे आन्दोलन चलाते रहे और पहले दिल्ली की राज्य सरकार और फिर केन्द्र सरकार को जाना पड़ा वैसे ही वह अब एक और बलात्कार के जरिए पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को गिराना चाहते हैं।

कोलकाता में भी आरोपी गिरफ्तार हो गया है। और भाजपा की केन्द्र सरकार जिस सीबीआई से जांच चाहती थी उसने अपनी जांच के बाद आरोप पत्र पेश करते हुए साफ कहा है कि यह गेंग रेप नहीं था। मगर इसके बाद भी मीडिया में झूठे गेंग रेप के आरोपियों के नाम चलाए जा रहे हैं। मीडिया और भाजपा समर्थकों को मालूम है कि रेप करने वाले यह यह थे। मगर सीबाआई को नहीं मालूम। अगर ऐसा झूठ किसी भाजपा शासित राज्य में कोई कहता तो यह मीडिया तूफान मचा देता।

बलात्कार पर राजनीति सबसे गंदी बात है। और यह शुरू की अन्ना हजारे उनके दाएं बाएं जुटे बहुत सारे चर्चित नाम और उनके पीछे छुपे संघ और भाजपा ने। निर्भया बलात्कार के बाद सारे आरोपी गिरफ्तार हुए। निर्भया को बेहतर इलाज के लिए सिंगापुर भेजा गया। उसके परिवार को सुरक्षा और हर तरह की सहायता दी। बाद में पता चला और तब जब निर्भया के भाई ने खुद बताया कि उस पायलट राहुल गांधी ने पायलट बनवाया। चुपचाप सारी व्यवस्थाएं कीं।

मगर इन सबके बावजूद केन्द्र और दिल्ली की राज्य सरकार के खिलाफ आन्दोलन चलता रहा। इंडिया गेट पर जाकर मोमबत्ती जलाते थे। पुलिस वालों को ठुल्ला बोलकर उनके साथ धक्का मुक्की करते थे। यूपीए की सरकार ने सख्त आदेश दे रखे थे कि पुलिस सयंम रखे। गृह राज्य मंत्री की ड्यूटि लगाई कि वह रात को बस में चले और महिला सुरक्षा के इंतजाम देखे।

मीडिया में अगर जरा सी भी ईमानदारी है तो वह बताए कि क्या निर्भया के बाद कार्रवाई करने में सरकार ने कोई चूक की? कांग्रेस की सरकार थी दोनों जगह केन्द्र और दिल्ली राज्य में क्या कोई भी राजनीति की? मीडिया में अगर ईमानदारी बची भी है तो हिम्मत नहीं है।

उस समय के सच को कोई स्वीकार नहीं करता है। अन्ना हजारे कहां भागे यह तक कोई नहीं पूछता है। उनके साथ वालों में किसी में हिम्मत नहीं है कि वह उस समय के नकली आन्दोलन के लिए माफी मांग ले। एक विनोद राय सीएजी की माफी जरूर हमने देखी थी। जो उन्हें कोर्ट में मांगना पड़ी कि उन्होंने 2 जी में गलत आरोप लगाए थे। उनके पास कोई सबूत नहीं थे।

कोलकाता का मामला भी ठीक बिल्कुल वैसा ही है। जो सीबीआई ने चार्जशीट सौंपी है एक आरोपी के खिलाफ उसके अलावा अभी तक कोई सबूत नहीं है। मगर आंदोलन को और तेज और लंबा किया जा रहा है। बुधवार को बंगाल बंद है, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर। उससे पहले मंगलवार के प्रदर्शन में किस तरह पत्थर फेंके गए। पुलिस वाले घायल हुए। उसके बावजूद बुधवार को बंद का काल दिया गया, खुद भाजपा द्वारा। देश में कहीं और आंदोलन हो तो प्रधानमंत्री कहते हैं आन्दोलनजीवी। परजीवी। अरबन नक्सल। किसानों को कहा गया आतंकवादी, खालिस्तानी, मवाली।

देश को पूरा बेवकूफ समझ रखा है। सोचते हैं जो कहेंगे मान लेगा। लेकिन हर चीज की एक सीमा होती है। लोगों की सहज बुद्धि को कामन सेंस को आप हमेशा के लिए दबा कर नहीं रख सकते। अभी के लोकसभा चुनाव ने यह बता दिया। मोदी जी ने वही सारी कोशिशें की। आपकी भेंस उठा कर ले जाएंगे, मंगल सूत्र छीन लेंगे!

बिल्कुल वैसा ही जैसे शोले में धर्मेन्द्र कहत है आंधी आएगी, तूफान आएगा, भूखमरी आएगी, सूखा आएगा और भी पता नहीं क्या क्या! वैसे ही मोदी जी ने क्या क्या कहा किसीके लिए भी याद करने बहुत मुश्किल है।

हां, मगर जैसे धर्मेन्द्र इंसान के रूप में नहीं उपर से कोई आकाशवाणी हो यह बता रहा था वैसे ही हमारे प्रधानमंत्री ने कह दिया कि मैं तुम लोगों की तरह जन्मा या नष्ट होने वाला नहीं हूं। मैं नान बाययलोजिकल हूं। मतलब जिस तरह तुम सब लोग मां के गर्भ से जन्म लेते हो वैसा मैंने नहीं लिया। अवतार हूं मैं।

मगर जनता ने क्या किया? जमीन पर उतार दिया। बहुत ऊपर जा रहे थे। चार सौ पार। नीचे 240 पर लाकर पटक दिया। साधारण बहुमत से भी कम। अब रात दिन जेडीयू, चन्द्र बाबू नायडू, चिराग पासवान, जितनराम मांझी, जयंत चौधरी की तरफ देखना पड़ता है। एक के बाद एक फैसले वापस ले रहे हैं। अभी वक्फ बिल पर जेडीयू ने कह दिया कि हम जेपीसी में मुसलमानों की चिंताओं की बात उठाएंगे। चिराग पासवान पहले ही कह चुके हैं।

बिहार में चुनाव होने वाले हैं। अगले साल तो निर्धारित हैं। मगर जैसे तेवर जेडीयू दिखा रहा है उससे लगता है समय पूर्व भी हो सकते हैं। चिराग पासवान पूरी तरह अपने पिता रामविलास पासवान के पदचिन्हों पर चल रहे हैं। लोकसभा में उन्हें लगा कि भाजपा के साथ जाने में फायदा है तो गए। फायदा मिला भी। मगर अब विधानसभा में तेजस्वी का झंडा ज्यादा फहराता हुआ दिख रहा है। तो क्या नीतीश बाबू और क्या चिराग किसी को उनके साथ आने में कोई परेशानी नहीं है।

राजनीति तो इकबाल की होती है। अब वक्फ बिल, ब्राडकास्ट बिल, लैटरल एंट्री और उसके पहले बजट में मीडिल क्लास के मकान बेचने पर लगाया कैपिटल गैन टैक्स वापस लेने के बाद मोदी जी का

आज का राशिफल

मेष राशि–

पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा,,, आज जल्दबाजी में कोई फैसला ना लें। परिस्थितियां गुस्से में हल ना करें, धैर्य रखें अंजान व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। छात्रों को सफलता मिलने के योग हैं।

वृष राशि–

आज का दिन अच्छे रिजल्ट देगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। प्रॉपर्टी संबंधी काम बनेंगे, आज बेवजह की आवाजाही अवॉयड करें। लवमेट के साथ रिश्ते सुधरेंगे।

मिथुन राशि–

आपका दिन अच्छा रहेगा। छात्रों को अधिक मेहनत की जरूरत है। रोजगार के नए मौके मिलेंगे। आपकी कोई ऑफिशियल यात्रा संभव है। कोई दोस्त आपको सरप्राइज देगा। तरक्की खूब होगी।

कर्क राशि–

आपका दिन बढिया रहेगा। सही समय पर उचित फैसला लाभ देगा। नया काम ना शुरू करें। ऑफिस में आपका प्रभाव बना रहेगा।

सिंह–राशि

आपका दिन शानदार रहेगा। विरोधी ऑफिस के काम में आपसे राय मांगेंगे। सरकारी नौकरी में सुखद बदलाव आएगा। सेहत के लिए दिन अच्छा है। घर परिवार की बातें गहराई से समझेंगे। लवमेट्स आज घूमने जाएंगे।

कन्या राशि–

आपका दिन मिला–जुली प्रतिक्रिया देगा। घर पर ही परिवार संग धार्मिक काम करेंगे। ऑफिस के काम को संभलकर करें। किसी से उलझने से बचें।

तुला–राशि आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। किसी काम को जल्द पूरा करें। बाहर की चीजों को खाने से बचें। आज वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

आज आपका दिन शुभ रहेगा। किसी काम के लिए आप कई बड़े फैसले लेंगे। सेहत के अनुरूप उचित परिणाम मिलेंगे। अधिकारियों से व्यवहार अच्छा रहेगा। जायदाद संबंधी काम में सावधानी बरतें।

धनु–राशि

किसी अपने से अच्छी खबर मिलेगी। व्यक्तिगत काम में घबराएं नहीं। किसी परिजन बड़ी उपलब्धि मिलेगी। नए प्रजोक्ट में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि आज का दिन बढिया रहेगा। आज बातचीत में मधुरता रखें। उच्च अधिकारी से मुलाकात होगी। नया काम शुरू हो सकता है। लेखकों को खुशखबरी मिलेगी।

कुंभ राशि–

आज का दिन खास रहेगा। पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा। जीवनसाथी संग रिश्ते मधुर रहेंगे। सकारात्मक सोच हितकर होगी। अचानक धनलाभ होगा।

मीन राशि–

आपका दिन मिला–जुला रहेगा। छात्रों को सफलता मिलेगी। आपकी सेहत में उतार चढ़ाव होगा। दांपत्य जीवन शानदार रहेगा। बच्चे खेलकूद में बिजी रहेंगे।

भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहता है बांग्लादेश, अतंरिम सरकार को भी स्वीकार नहीं तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप

हसन ने विश्वास जताया कि भारत के साथ तीस्ता संधि और अन्य जल–बंटवारे समझौतों को बातचीत के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया जाएगा, लेकिन सुझाव दिया कि यदि कोई समझौता नहीं हो पाता है तो बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय कानूनी दस्तावेजों और सिद्धांतों पर विचार कर सकता है।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार तीस्ता जल बंटवारा संधि पर भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहती है, जल संसाधन सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने कहा है कि ऊपरी–तटीय और निचले–तटीय देशों को पानी के वितरण पर अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हसन ने विश्वास जताया कि भारत के साथ तीस्ता संधि और अन्य जल–बंटवारे समझौतों को बातचीत के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया जाएगा, लेकिन सुझाव दिया कि यदि कोई समझौता नहीं हो पाता है तो बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय कानूनी दस्तावेजों और सिद्धांतों पर विचार कर सकता है।उन्होंने कहा कि मैंने (बांग्लादेश में) सभी संबंधित हितधारकों के साथ तीस्ता जल बंटवारे के मुद्दे पर चर्चा की है। हमने चर्चा की है कि हमें तीस्ता संधि के संबंध में प्रक्रिया और बातचीत को फिर से शुरू करने की जरूरत है। हमें गंगा संधि पर भी काम करना है, जो दो साल में खत्म हो रही है। दोनों पक्ष सहमत हुए और तीस्ता जल–बंटवारा समझौते का मसौदा तैयार किया गया, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के विरोध के कारण समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किये गये। तथ्य यह है कि हम समझौते को अंतिम रूप नहीं दे पाए हैं। इसलिए, हम उस बिंदु से समझौते के मसौदे के साथ शुरुआत करेंगे और भारत से आगे आने और बातचीत प्रक्रिया को फिर से शुरू करने का आग्रह करेंगे। गौरतलब है कि 2011 में तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा के दौरान भारत और बांग्लादेश तीस्ता जल बंटवारे पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राज्य में पानी की कमी का हवाला देते हुए इसका समर्थन करने से इनकार कर दिया। "हम एक सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने की कोशिश करेंगे। चूँकि यह एक अंतर्राष्ट्रीय जल मुद्दा है, यह अन्य देशों के कानूनी अधिकार पर विचार से भी संबंधित है। तो, कितना पानी उपलब्ध है और क्या यह पर्याप्त है, यह हमारे लिए अस्पष्ट है। भले ही बहुत कम पानी उपलब्ध हो, अंतरराष्ट्रीय साझाकरण मानदंडों के कारण बांग्लादेश में प्रवाह जारी रहना चाहिए।

जर्मनी, फ्रांस, इटली और ब्रिटेन के बीच का एक समझौता

जर्मन सैनिकों के मार्च के ने दो दिन बाद यानी 3 सितंबर को जर्मनी और उसके सहयोगियों के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। युद्ध की शुरुआत से दुनिया के सामने म्यूनिख समझौते की कमियां उजागर हो गई। इस समझौते पर पर एक साल से भी कम समय पहले हस्ताक्षर किए गए थे। एक ऐसा समझौता जिसे एडॉल्फ हिटलर के नाजी शासन के तुष्टीकरण के विनाशकारी कार्य के रूप में देखा गया है। 1 सितंबर 1939 को आज से 85 साल पहले जर्मन सैनिकों के पोलैंड में मार्च के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत हो गई थी। इसे मानव जाति के इतिहास में सबसे घातक सैन्य संघर्ष माना जाता है। सेकेंड वर्ल्डवॉर में 30 देशों के अनुमानित 100 मिलियन लोग शामिल हुए थे। ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की तरफ से पोलैंड को मदद का आश्वासन दिया गया था। जर्मन सैनिकों के मार्च के ने दो दिन बाद यानी 3 सितंबर को जर्मनी और उसके सहयोगियों के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। युद्ध की शुरुआत से दुनिया के सामने म्यूनिख समझौते की कमियां उजागर हो गई। इस समझौते पर पर एक साल से भी कम समय पहले हस्ताक्षर किए गए थे। एक ऐसा समझौता जिसे एडॉल्फ हिटलर के नाजी शासन के तुष्टीकरण के विनाशकारी कार्य के रूप में देखा गया है। हिटलर ने यूरोप में युद्ध लाने की धमकी दी थी जब तक कि चेकोस्लोवाकिया के उत्तर, दक्षिण और पश्चिम में जर्मन–बहुल क्षेत्रों को जर्मनी को सौंप नहीं दिया गया। इन क्षेत्रों में रहने वाले जर्मन–भाषी लोग, जिन्हें जर्मन में सुडेटेनलैंड कहा जाता है, ने खुद को 1918 में प्रथम विश्व युद्ध के अंत में जर्मन–प्रभुत्व वाले ऑस्ट्रो–हंगेरियन साम्राज्य के पतन के बाद बनाए गए नए देश का हिस्सा पाया था। तीस लाख से अधिक सूडेटन जर्मनों के घर सुडेटनलैंड पर कब्जा, हिटलर की ग्रेटर जर्मनी बनाने की योजना का हिस्सा था। म्यूनिख समझौते के बाद, जर्मन सैनिकों ने 1 अक्टूबर से 10 अक्टूबर, 1938 के बीच इन क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया।30 सितंबर 1938 को म्यूनिख में नाजी जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांसीसी गणराज्य और फासीवादी इटली द्वारा एक समझौता किया गया। समझौते में चेकोस्लोवाकिया के सुडेटेनलैंड नामक हिस्से पर जर्मनी के कब्जे का प्रावधान था, जहां तीन मिलियन से अधिक लोग, मुख्य रूप से जातीय जर्मन, रहते थे। जर्मनी ने 17 सितंबर 1938 को चेकोस्लोवाकिया पर कम तीव्रता वाला अघोषित युद्ध शुरू कर दिया था। प्रतिक्रिया में ब्रिटेन और फ्रांस ने 20 सितंबर को औपचारिक रूप से चेकोस्लोवाकिया से सुडेटनलैंड क्षेत्र जर्मनी को सौंपने का अनुरोध किया। म्यूनिख से लौटने के बाद, चेम्बरलेन ने हिटलर द्वारा हस्ताक्षरित कागज का टुकड़ा लहराया और इसे सम्मान के साथ शांति की घोषणा कहा। यूरोपीय शांति के बदले में, सुडेटनलैंड क्षेत्र को जर्मनों द्वारा कब्जा करने की अनुमति दी गई थी।हिटलर द्वारा म्यूनिख में इटली के प्रधानमंत्री बेनिटो मुसोलिनी के साथ चेम्बरलेन और फ्रांसीसी प्रधान मंत्री एडौर्ड डालाडियर से मुलाकात के बाद हस्ताक्षरित समझौते में जर्मनी द्वारा सुडेटनलैंड को समाप्त करने की अनुमति दी गई। जर्मन कब्जा 1–10 अक्टूबर, 1938 तक चार चरणों में किया जाना था। कुछ स्थानों पर समाप्ति जनमत संग्रह के अधीन थी। चेकोस्लोवाक सरकार को समझौते पर हस्ताक्षर करने के चार सप्ताह के भीतर अपने सैन्य और पुलिस बलों से, रिहा होने की इच्छा रखने वाले किसी भी सुडेटन जर्मन और सभी सुडेटन जर्मन कैदियों को रिहा करना था।

140 सेकेंड में हिल गया पूरा पाकिस्तान, Taliban ने मुनीर की सेना के अफसरों को घर से अगवा कर फिरौती में वसूल लिए 10 करोड़

अलगाववादियों ने बलूचिस्तान में कई बसों को रोककर आईडी कार्ड दिखाकर दर्जनों पंजाबी मजदूर की हत्या कर दी थी। इस वारदात के बाद पाकिस्तान के सीमांत प्रांत खैबर पख्तूनवा में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल और उसके दो भाईयों को टीटीपी के आतंकियों ने किडनैप कर लिया था। पाकिस्तान की राजनीति दहशतगर्दी की बैसाखी के सहारे टिकी हुई है। पाकिस्तान एकलौता ऐसा देश है जहां आतंकवाद की दो कैटेगरी है। अच्छा आतंकवाद और बुरा आतंकवाद। अच्छा वो जिन्हें पाकिस्तान सेना का समर्थन हासिल है और बुरा वो जो पाकिस्तानी सेना के खिलाफ काम करता है। इसमें सबसे बड़ा नाम तहरीक–ए–तालिबान यानी टीटीपी है। आतंकपरस्त पाकिस्तान में आतंकियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि सेना भी उनके आगे घुटने टेकने के लिए मजबूर है। हाल ही में अलगाववादियों ने बलूचिस्तान में कई बसों को रोककर आईडी कार्ड दिखाकर दर्जनों पंजाबी मजदूर की हत्या कर दी थी। इस वारदात के बाद पाकिस्तान के सीमांत प्रांत खैबर पख्तूनवा में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल और उसके दो भाईयों को टीटीपी के आतंकियों ने किडनैप कर लिया था।पाक सेना के अफसर की रिहाई के बदले आतंकियों ने अपनी छह साथियों की रिहाई के साथ ही 10 करोड़ पाकिस्तानी रुपए भी वसूल लिए हैं। सूत्रों के हवाले से मिली खबर में ये कहा गया है कि पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल और तीन नागरिकों को छुड़ाने की एवज में पाकिस्तान की सरकार को छह टीटीपी आतंकी और 10 करोड़ पाकिस्तानी रुपए भी फिरौती में देने पड़े हैं। गौरतलब है कि 28 अगस्त को डेरा इस्माइल खां से टीटीपी ने लेफ्टिनेंट कर्नल खालिदा मीर और उनके तीन रिश्तेदारों को अगवा कर लिया था। टीटीपी ने फिर उनका एक वीडियो भी जारी किया था जिसमें वो पाकिस्तानी सेना अपनी खैरियत बताते हुए टीटीपी की मांग को पूरा करने का अनुरोध कर रहे थे। पाकिस्तानी सेना ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। जिन टीटीपी आतंकियों ने इन चार लोगों को अगवा किया था वो टीटीपी के गंडापुर गुट के थे। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि मुनीर की सेना के जिस फौजी को टीटीपी ने रिहा किया है। वो लेफ्टिनेंट कर्नल तहरीक–ए–तालिबान की तारीफों के पुल बांध रहा है। 140 सेकेंड की क्लिप देखकर रावलपिंडी में बैठे जनरल मुनीर शायद अपना इस्तीफा टाइप कर रहे होंगे। टीटीपी की तारीफों के कसीदे पढ़ रहा ये लेफ्टिनेंट कर्नल 72 घंटे पहले तक मुनीर का फेवरेट कमांडर हुआ करता था। लेकिन तहरीक–ए–तालिबान की कैद में इसका ह्रदय परिवर्तन हो गया। मुनीर का लेफ्टिनेंट कर्नल जिस टीटीपी की तारीफें कर रहा है वो वही आतंकी संगठन है जो पाक सेना के जवानों को चुनचुनकर मारता है। खुलकर शहबाज शरीफ का विरोध करता है। लेकिन वही जवान पर टीटीपी को इस्लाम का रहनुमा बता रहा है।

इजराइल गाजा युद्ध बंधकों की मौत पर इजरायल में संग्राम, नेतन्याहू के आफिस के बाहर प्रदर्शन, तेल अवीव हवाई अड्डा बंद

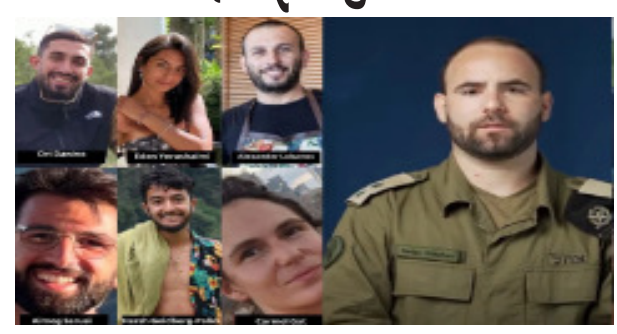

इजराइल के सबसे बड़े ट्रेड यूनियन, हिस्टाड्रट ने आम हड़ताल का आह्वान करके सरकार पर दबाव डाला। 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद पहली बार हड़ताल का आह्वान किया गया।गाजा में छह और बंधकों के मृत पाए जाने के बाद इजराइल में भारी रोष देखने को मिल रहा है। लाखों उग्र प्रदर्शनकारी नाऊ! नाऊ! के नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर गए। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शेष बंदियों को घर लाने के लिए हमास के साथ संघर्ष विराम पर पहल करें। युद्ध के 11 महीनों में यह जनसैलाब इस तरह का सबसे बड़ा प्रदर्शन प्रतीत हुआ और प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह एक संभावित मोड़ की तरह महसूस होता है। इजराइल के सबसे बड़े ट्रेड यूनियन, हिस्टाड्रट ने आम हड़ताल का आह्वान करके सरकार पर दबाव डाला। 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद पहली बार हड़ताल का आह्वान किया गया। इसका उद्देश्य बैंकिंग, स्वास्थ्य देखभाल और देश के मुख्य हवाई अड्डे सहित अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को बंद करना या बाधित करना है। सीएनएन ने हवाई अड्डे के अधिकारियों के हवाले से बताया कि तेल अवीव का बेन गुरियन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कम से कम दो घंटे के लिए परिचालन बंद कर देगा। संघर्ष विराम वार्ता महीनों तक खिंच गई है। कई लोग समझौते पर पहुंचने में विफल रहने के लिए नेतन्याहू को दोषी मानते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री को हमास के खिलाफ संपूर्ण जीत की रणनीति के लिए भी महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त है, भले ही बंधकों के लिए समझौते के लिए इंतजार करना पड़े। येरुशलम में नेतन्याहू के कार्यालय के बाहर रविवार रात हजारों लोग एकत्र हुए, जिनमें से कुछ रो रहे थे। तेल अवीव में बंधकों के रिश्तेदारों ने मृतकों के प्रतीक के रूप में ताबूतों के साथ मार्च किया। तेल अवीव निवासी श्लोमित हकोहेन ने कहा कि हम वास्तव में सोचते हैं कि सरकार ये निर्णय अपने संरक्षण के लिए कर रही है, न कि बंधकों के जीवन के लिए, और हमें उन्हें बताने की जरूरत है।

पाकिस्तान में सत्तारूढ़ पीएमएल–एन ने इमरान खान की पार्टी के साथ वार्ता का विरोध किया

पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के साथ "अप्रत्यक्ष वार्ता" की खबरों के बीच, सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के साथ बातचीत का कड़ा विरोध किया है। किसी भी तरह की बातचीत के लिए शर्त रखी कि पार्टी के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पिछले साल नौ मई को कथित तौर पर हिंसा भड़काने के लिए माफी मांगें। इस्लामाबाद । विपक्षी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के साथ "अप्रत्यक्ष वार्ता" की खबरों के बीच, सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के साथ बातचीत का कड़ा विरोध किया है। योजना मंत्री अहसान इकबाल ने शनिवार को पीटीआई के साथ किसी भी तरह की बातचीत के लिए शर्त रखी कि पार्टी के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पिछले साल नौ मई को कथित तौर पर हिंसा भड़काने के लिए माफी मांगें। 'डॉन न्यूज' की खबर के अनुसार, भ्रष्टाचार के एक मामले में 71 वर्षीय खान की गिरफ्तारी के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों में सैन्य प्रतिष्ठानों सहित सार्वजनिक संपत्तियों पर हमले हुए। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के साथ बातचीत का विरोध करते हुए कहा कि वह ऐसी किसी भी वार्ता के पक्ष में नहीं हैं। इससे पहले, सत्तारूढ़ दलों ने खान द्वारा स्थापित पार्टी को कई बार शांति प्रस्ताव दिया था, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ, क्योंकि खान ने कहा था कि वह केवल उन लोगों के साथ बातचीत करेंगे, जिनके पास देश में वास्तविक शक्ति है। सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं का यह बयान ऐसी खबरों के बीच आया है कि पीएमएल–एन ने पीटीआई के साथ बातचीत के लिए पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी) के अध्यक्ष महमूद खान अचकजई से कथित तौर पर संपर्क किया है। अचकजई को जेल में बंद खान ने सत्तारूढ़ दलों के साथ बातचीत करने के लिए नामित किया था। वहविपक्षी गठबंधन तहरीक-ए-तहफ्फुज-ए-आइन-ए-पाकिस्तान के भी प्रमुख हैं। खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए आसिफ ने पत्रकारों को बताया कि वह "पीकेएमएपी अध्यक्ष से बात करने के लिए नियुक्त टीम" का हिस्सा नहीं हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या पीटीआई के साथ बातचीत की जानी चाहिए, तो पीएमएल–एन के दिग्गज नेता ने कहा, "मैं बातचीत के पक्ष में नहीं हूं।" इकबाल ने पीटीआई के साथ तब तक बातचीत का भी विरोध किया, जब तक खान "9 मई को हुई हिंसा के लिए माफी नहीं मांगते।" हालांकि, सरकार के साथ बातचीत के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में पीटीआई नेता असद कैसर ने प्रस्ताव की गंभीरता पर सवाल उठाया और कहा कि सरकार बातचीत को लेकर अनिश्चित है और विरोधाभासी बयान दे रही है। उन्होंने कहा कि पीएमएल–एन प्रमुख नवाज शरीफ के बयान के बाद रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बयान दिया कि सरकार पीटीआई से बात नहीं करेगी। नेशनल असेंबली में पीटीआई के विपक्ष के नेता उमर अयूब ने भी कहा कि उनकी पार्टी बातचीत के लिए तैयार है, बशर्ते कि शहबाज प्रशासन खान सहित पीटीआईनेताओं को रिहा कर दे।

अमेरिका के हवाई में एक व्यक्ति ने पड़ोसी के घर पर गोली चलाकर तीन लोगों की हत्या की

होनोलूलू पुलिस जासूस लेफ्टिनेंट दीना थोएम्स ने बताया कि, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 58 वर्षीय एक व्यक्ति ने 'फ्रंट–एंड लोडर' मशीन का उपयोग करके कारों को टक्कर मारते हुए उस घर में प्रवेश किया जहां एक पारिवारिक समारोह हो रहा था। अमेरिका के हवाई में शनिवार की रात पड़ोसियों के बीच विवाद के कारण हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। हमलावर को भी एक स्थानीय व्यक्ति ने गोली मार दी, जिसे गैर इरादतन हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। होनोलूलू पुलिस जासूस लेफ्टिनेंट दीना थोएम्स ने बताया कि, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 58 वर्षीय एक व्यक्ति ने 'फ्रंट–एंड लोडर' मशीन का उपयोग करके कारों को टक्कर मारते हुए उस घर में प्रवेश किया जहां एक पारिवारिक समारोह हो रहा था। थोएम्स के अनुसार उस व्यक्ति ने घर पर जमा हुए लोगों पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिससे वैनानाई की रहने वाली तीन महिलाओं की मौत हो गई। वैनानाई, होनोलूलू शहर के पश्चिम में करीब 48 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। उन्होंने एक पत्रकार वार्ता में बताया कि, उसी समय घर में रहने वाले 42 वर्षीय व्यक्ति ने उस संदिग्ध को गोली मार दी।पुलिस प्रवक्ता ने स्थानीय निवासी को गिरफ्तार किए जाने के कारण के बारे में पूछने पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। थोएम्स ने बताया कि मरने वाली महिलाओं की उम्र 34, 36 और 29 साल थी। उन्होंने बताया कि 31 वर्षीय एक पुरुष और 52 वर्षीय एक महिला को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। थोमेम्स ने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। उसके पास 'फ्रंट–एंड लोडर' मशीन में अज्ञात ईंधन से भरे चार ड्रम थे। पुलिस प्रमुख जो लोगन ने पत्रकार वार्ता में कहा कि यह गोलीबारी इस क्षेत्र में पिछले कुछ सप्ताहों में हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में से सबसे नई घटना है, जिसके कारण पुलिस ने बंदूक हिंसा से लड़ने के लिए कदम उठाने का संकल्प लिया है।

रूस ने ड्रोन, क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल से कीव पर हमले किए यूक्रेनी वायु सेना

कीव के होलोसिव्स्की और सोलोमिंस्की जिले में आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। उन्होंने बताया कि शेवशेनकिव्स्की जिले में मलबे के नीचे दबने से एक व्यक्ति के जख्मी होने की सूचना है।यूक्रेन की वायु सेना ने सोमवार सुबह बताया कि रूस ने कीव और संभवतरू अन्य शहरों को निशाना बनाकर ड्रोन, क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल से कई हमले किए हैं। सोमवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कई विस्फोटों से दहल उठी, जिससे निवासियों को बम रोधी आश्रयों में शरण लेनी पड़ी। कीव के मेयर विताली क्लित्स्को ने कहा कि कीव के होलोसिव्स्की और सोलोमिंस्की जिले में आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। उन्होंने बताया कि शेवशेनकिव्स्की जिले में मलबे के नीचे दबने से एक व्यक्ति के जख्मी होने की सूचना है। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख आंद्री यरमाक ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ''हर चीज का जवाब मिलेगा। दुश्मन को इसका एहसास होगा।'' वायु सेना के अनुसार, रूस ने कीव को निशाना बनाकर कई क्रूज मिसाइल के साथ बैलिस्टिक मिसाइल दागीं और कुछ ड्रोन हमले भी किए।

चुनावी राज्य हरियाणा में पुलिस अलर्ट, निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पैरामिलिट्री जवानों की तैनाती

झज्जर । चुनावी राज्य हरियाणा में पुलिस अलर्ट मोड पर है। शांतिपूर्ण और निष्पक्षता के साथ विधानसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए यहां पैरामिलिट्री जवानों की तैनाती की गई है।हरियाणा के झज्जर जिले में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने को लेकर पुलिस उपायुक्त लोकेश कुमार ने बताया कि, चुनाव के दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पैरामिलिट्री फोर्स आ गई है। इनके और जिला पुलिस के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छह जगहों नाकाबंदी की गई है।लोकेश कुमार ने पत्रकारों को बताया कि, चुनाव को शांति और निष्पक्ष ढंग से कराने के लिए जिला पुलिस मुस्तैद है। लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है और समय–समय पर नाकाबंदी पर तैनात पुलिसकर्मियों व पैरामिलिट्री के जवानों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि सभी नाकों पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही है और हर आने–जाने वाले संदिग्ध लोगों पर पुलिस की पैनी नजर भी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही पैरामिलिट्री के और जवान भी यहां पहुंच जाएंगे। पुलिस का मकसद अप्रिय घटना को रोकना और चुनाव को शांति से कराना है।

जो रूट इस मामले में विराट कोहली के आस–पास भी नहीं, लिस्ट में दिग्गजों को पछाड़ा भी आसान नहीं

मौजूदा समय में टेस्ट क्रिकेट में फैब फोर में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन को शामि किया गया है। अगर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो इस लिस्ट में रूट 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शतकों के मामले में भले ही रूट विराट कोहली से आगे चल रहे हों, लेकिन एक मामले में वह विराट कोहली से काफी दूर हैं।हाल ही में जो रूट के नाम टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा शतक दर्ज हुए हैं। रूट 34 शतक लगा चुके हैं जबकि केन विलियमसन के नाम 32, स्मिथ के नाम 32 और विराट कोहली के नाम 29 टेस्ट शतक दर्ज हैं। वहीं मौजूदा समय में टेस्ट क्रिकेट में फैब फोर में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन को शामि किया गया है। अगर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो इस लिस्ट में रूट 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शतकों के मामले में भले ही रूट विराट कोहली से आगे चल रहे हों, लेकिन एक मामले में वह विराट कोहली से काफी दूर हैं। दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 50 शतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। विराट ने 348 पारियों में ये कारनामा किया था, विराट के साथ साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला ने भी इतनी ही पारियों में 50 इंटरनेशनल शतकों का आंकड़ा छुआ था। सचिन तेंदुलकर ने 376 पारियों में और रिकी पोंटिंग ने 418 पारियों में ये आंकड़ा छुआ था। वहीं जो रूट की बात करें तो उनकी यहां तक पहुंचने में कुल 455 पारियां लग गईं।

इन पांचों के अलावा 50 या इससे ज्यादा इंटरनेशनल शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कुमार संगकारा, ब्रायन लारा, जैक कालिस और महेला जयवर्धने का नाम दर्ज है।

सचिन तेंदुलकर ने बढ़ाया पैरा एथलीट्स का विश्वास, प्रीति और निषाद को मेडल जीतने पर दी बधाई

सचिन तेंदुलकर ने पैरालंपिक खेलों 2024 में पदक जीतने पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया है साथ ही उन्हें बधाई भी दी है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो पदक जीते। जहां निषाद कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीता तो प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता।क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने पैरालंपिक खेलों 2024 में पदक जीतने पर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया है साथ ही उन्हें बधाई भी दी है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो पदक जीते। जहां निषाद कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीता तो प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता। जिसे देखकर सचिन तेंदुलकर भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। सचिन ने ओलंपिक गेम्स 2024 में पदक जीतने वाले और अच्छा प्रदर्सन करने वाले सभी खिलाड़ियों की सहारना की। पूरी दुनिया में अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाने वाले सचिन ने पेरिस में जारी पैरालंपिक खेलों के मेडलिस्ट को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि, निषाद को हाई जंप में सिल्वर मेडल के लिए बधाई, प्रीति पाल आपने 200 मीटर स्प्रिंट में एक और मेडल जीतकर इस पैरालंपिक में दो पदक अपने नाम कर लिए हैं। आप दोनों मिलकर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं और हमारे दिलों में जगह बना रहे हैं। बहुत शानदार।

पाकिस्तान के खिलाफ लिटन दास ने खेली बेहतरीन पारी, WTC में बांग्लादेश के लिए लगाया सबसे ज्यादा शतक

रावलपिंडी में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाज लिटन दास ने जैसी पारी खेली उसकी जितनी भी तारीफ की जाए वो कम है। एक वक्त पर मेहमान टीम बांग्लादेश ने अपने 6 विकेट 26 रन के स्कोर पर ही गंवा दिया था, लेकिन उसके बाद लिटन दास ने जिस तरह से पाकिस्तान की गेंदबाजी का सामना किया और शतक लगाया वो बेमिसाल ही था।पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाज लिटन दास ने जैसी पारी खेली उसकी जितनी भी तारीफ की जाए वो कम है। एक वक्त पर मेहमान टीम बांग्लादेश ने अपने 6 विकेट 26 रन के स्कोर पर ही गंवा दिया था, लेकिन उसके बाद लिटन दास ने जिस तरह से पाकिस्तान की गेंदबाजी का सामना किया और शतक लगाया वो बेमिसाल ही था। टेस्ट क्रिकेट में ये पाकिस्तान के खिलाफ लिटन दास की बेस्ट पारी रही। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ लिटन दास की टेस्ट में बेस्ट पारी 114 रन की थी, लेकिन उन्होंने इस स्कोर को पार कर लिया। इसके अलावा अपनी इस शतकीय पारी के बाद उन्होंने अपनी टीम के सीनियर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने में भी सफलता हासिल कर ली। लिटन दास ने इस मुकाबले में मेंहदी हसन मिराज के साथ मिलकर 7वें विकेट के लिए 165 रन की बेहतरीन साझेदारी की। लिटन की इस पारी के दम पर बांग्लादेश ने 262 रन बनाए जबकि पाकिस्तान ने पहली पारी में 274 रन बनाए थे। टेस्ट क्रिकेट में लिटन दास की पाकिस्तान के खिलाफ बेस्ट पारी 114 रन की थी जो उन्होंने साल 2021 में खेली थी,

लेकिन 3 साल के बाद उन्होंने अपने इस रिकॉर्ड को सुधार लिया। रावलपिंडी में दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने इस टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 4 छक्के और 13 चौकों की मदद से 138 रन बनानए और इस दौरान उन्होंने 228 गेंदों का सामना किया।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में इंग्लैंड को फायदा, श्रीलंका को हुआ नुकसान, जानें भारत किस नंबर पर है

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में शानदार जीत दर्ज की है। जिसके बाद इंग्लैंड के खाते में 81 डब्ल्यूटीसी अंक हो गए हैं और उनका डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स प्रतिशत 45 हो गया। वहीं इंग्लैंड टीम मौजूदा समय में चौथे नंबर पर है।हाल ही में जो रूट के दोहरे शतक और गस एटकिंसन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में शानदार जीत दर्ज की है। जिसके बाद इंग्लैंड के खाते में 81 डब्ल्यूटीसी अंक हो गए हैं और उनका डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स प्रतिशत 45 हो गया। वहीं इंग्लैंड टीम मौजूदा समय में चौथे नंबर पर है।

जब अचानक से सामने आ जाए दुनिया का सबसे बड़ा सांप तब क्या करें आप?और जानेंदूसरी ओर श्रीलंका टीम की हार के कारण उनका पॉइंट प्रतिशत 40 से गिरकर 33.33 प्रतित हो गया। एशियाई टीम अब दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से नीचे सातवें स्थान पर है। डब्ल्यूटीसी रैंकिंग की बात करें तो भारत मौजूदा समय में टॉप पर काबिज है। भारत के 74 पॉइंट्स हैं और टीम के नाम 9 मैच में 6 जीत, 2 हार और 1 ड्रॉ है। वहीं ऑस्ट्रेलिया 12 में से 8 मैच जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ के सात दूसरे नंबर पर है और उसके पॉइंट्स 90 पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड 6 मैच में 3 जीत और 3 हार के साथ तीसरे नंबर पर है। उसके 36 अंक और 50.00 पीसीटी है। इंग्लैंड 15 मैच में 8 जीत, 6 हार और 1 ड्रॉ के साथ चौथे नंबर पर है। बता दें कि, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के पॉइंट में दोगुने से ज्यादा का अंतर है। इसके बाद भी न्यूजीलैंड आगे है क्योंकि रैंकिंग पॉइंट प्रतिशत (च्ब्ज्) से निर्धारित होती है। डब्ल्यूटीसी 2023–25 में, टीमों को जीत के लिए 12 अंक, ड्रॉ के लिए 4 अंक और टाई के लिए 6 अंक मिलते हैं। लीडरबोर्ड निर्धारित करने के लिए रैंकिंग पॉइंट प्रतिशत का इस्तेमाल किया जाता है। पॉइंट पर्सेंटेज कलकुलेशन टीम को मिले पॉइंट को कुल पॉइंट से भाग देकर 100 से गुणा करते हैं।

डब्लूबीबीएल में ये भारतीय महिला खिलाड़ी खेलते हुए आएंगी नजर, हरमनप्रीत और शेफाली को मिली निराशा

आगामी महिला बिग बैश लीग में भारत की 6 महिला क्रिकेटर्स को चुना गया है। इस लिस्ट में टीम इंडिया की उपकप्तान स्मृति मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही मंधाना के साथ अनुबंध कर लिया था। दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से जुड़ेंगी। टॉप क्रम की ये बल्लेबाज पहली बार इस लीग का हिस्सा होंगी। 27 अक्टूबर से शुरू होने वाली आगामी महिला बिग बैश लीग में भारत की 6 महिला क्रिकेटर्स को चुना गया है। इस लिस्ट में टीम इंडिया की उपकप्तान स्मृति मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही मंधाना के साथ अनुबंध कर लिया था। दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से जुड़ेंगी। टॉप क्रम की ये बल्लेबाज पहली बार इस लीग का हिस्सा होंगी। विकेटकीपर–बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भी ॅठरू में डेब्यू करेंगी। वह मेलबर्न स्टार्स टीम के साथ जुड़ेंगी। भारतीय हरफनमौला दीप्ति शर्मा भी इस टीम का हिस्सा है। तेज गेंदबाजी के साथ बल्ले से योगदान देने के लिए जानी जाने वाली शिखा पांडे को ब्रिसबेन हीट ने चुना है। वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगी क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह ब्रिसबेन हीट की टीम में जेमिमा रोड्रिग्स के साथ शामिल हुईं हैं। डब्ल्यूबीबीएल 27 अक्टूबर को एडिलेड में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच मैच के साथ सुरू होगा। हालांकि, हरमनप्रीत कौर और शैफाली वर्मा को महिला बिग बैश लीग 2024 ड्रॉफ में नहीं खरीदा गया। जबकि उनका डब्ल्यूबीबीएल रिकॉर्ड शानदार रहा है।

युवराज सिंह के पिता योगराज ने एमएस धोनी पर लगाए गंभीर आरोप, बेटे को भारत रत्न देने की मांग की

युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह एक बार फिर से एमएस धोनी पर भड़के नजर आए और बताया कि किस तरह से धोनी ने उनके बेटे युवराज सिंह का क्रिकेट करियर बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि वह भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे क्योंकि उनका बेटा टीम के लिए टीम के लिए 5–6 साल और खेल सकता था।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने एक बार फिर से एमएस धोनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि धोनी ने उनके बेटे युवराज सिंह का क्रिकेट करियर बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि वह भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे क्योंकि उनका बेटा टीम के लिए टीम के लिए 5–6 साल और खेल सकता था। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह पहले भी अपने बेटे के क्रिकेट करियर में गिरावट के लिए एमएस धोनी को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने धोनी पर निशाना साधने से परहेज नहीं किया। योगराज सिंह ने कहा कि धोनी को आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि धोनी इतना बड़ा क्रिकेटर है, लेकिन उसने युवराज सिंह के साथ कुछ भी अच्छा नहीं किया। जी स्विच यूट्यूब चौन से बात करते हुए योगराज ने कहा कि मैं एमएस धोनी को माफ नहीं करूंगा और उसे आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। योगराज ने आगे कहा कि वह बहुत बड़ा क्रिकेटर है, लेकिन उसने मेरे बेटे के खिलाफ जो कुछ किया है। वह

सब अब सामने आ रहा है, उसे जीवन में कभी माफ नहीं किया जा सकता।

सांप जैसा दिखने वाला स्नेक फ्रूट सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद, जानिए इसके 5 फायदे

दुनिया में ऐसे कई दुर्लभ फल हैं, जो हमारी सेहत के लिए राम–बाण साबित होते हैं। ऐसा ही एक विदेशी फल है स्नेक फ्रूट, जिसे सालक भी कहा जाता है।सांप जैसा दिखने वाला यह फल अंदर से पीला–सफेद होता है और इसका छिलका लाल या भूरा का होता है। इसका स्वाद खट्टा–मीठा होता है और यह विशेष रूप से इंडोनेशिया में पाया जाता है।आप इस फल को डाइट का हिस्सा बनाकर ये 5 मुख्य फायदे पा सकते हैं।मधुमेह का खतरा करता है कमभारत में कई लोग मधुमेह की बीमारी से पीडिघ्त हैं, जिन्हें मीठे फलों से परहेज करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, इस बीमारी से पीडिघ्त लोगों को खान–पान में स्नेक फ्रूट शामिल करने से फायदा हो सकता है।जब इस फल को फरमेंट किया जाता है, तो यह बड़ी मात्रा में पॉलीफेनोल्स छोड़ता है। ये यौगिक लिपिड प्रोफाइल में सुधार करते हैं और ब्लड शुगर के स्तर को कम करते हैं।

याददाश्त होती है मजबूत

अगर आप आसानी से चीजों को भूल जाते हैं तो आपको स्नेक फ्रूट जरूर खाना चाहिए। रोजाना यह फल खाने से आपकी याददाश्त और सोचने की शक्ति मजबूत हो जाएगी।स्नेक फ्रूट बीटा–कैरोटीन, पेक्टिन और पोटेशियम से भरपूर होता है। यह मस्तिष्क में खून के प्रवाह को बढ़ाता है और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है, जिससे याददाश्त सुधरती है।इसे खाने से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त हो सकता है।

आखों की रोशनी को करता है दुरुस्त

स्नेक फ्रूट को आखों की रोशनी बढ़ाने के लिए भी कारगर माना जाता है। इसे आखों में डालने वाली कई दवाइयों में भी इस्तेमाल किया जाता है।इसमें अच्छी मात्रा में बीटा–कैरोटीन होता है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। अगर आप रोजाना इस फल को खाएंगे तो जल्द ही आपकी आखों में होने वाली परेशानियां दूर हो जाएंगी।आप अपनी आखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए ये घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं।

कैंसर के इलाज में करता है मदद

कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी के उपचार में भी स्नेक फ्रूट आपकी मदद कर सकता है। इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कोशिकाओं और ऊतकों को होने वाले नुकसान से लडने में प्रभावी होते हैं।थोड़ी मात्रा में स्नेक फ्रूट का नियमित सेवन बवासीर के खतरे को कम करने और कैंसर के गठन को मात देने में मदद करता है।आप इसको अपने सुबह या शाम के नाश्ते में खा सकते हैं।

वजन घटाने में है सहायक

अगर आप वजन घटाने का प्रयास कर रहे हैं तो अपने आहार में स्नेक फ्रूट को जोडने पर विचार करें। इसमें उच्च मात्रा में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो वजन कम करने में मदद करते हैं।पतले होने के लिए की जाने वाली एक्सरसाइज से शरीर कमजोर हो जाता है। हालांकि, इस फल का सेवन आपको ऊर्जा प्रदान कर सकता है।कई लोग वजन कम करने के लिए डाइट में स्नेक फ्रूट की चाय शामिल करना पसंद करते हैं।

लैपटाप और मोबाइल का अधिक इस्तेमाल होता है हानिकारक, इससे होती हैं हड्डियों की ये बीमारियां

आधुनिकता के बढने से लोग मोबाइल और लैपटॉप जैसे उपकरणों के आदि होते जा रहे हैं। ऑफिस और घर पर बैठे–बैठे लोग अपना ज्यादातर समय लैपटॉप पर काम करते हुए या मोबाइल चलाते हुए बिता देते हैं।इन उपकरणों के अत्यधिक इस्तेमाल से आपको हड्डियों से जुड़ी कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, जिनके कारण दर्द उठ सकता है और स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।लैपटॉप के अधिक उपयोग से हड्डियों की ये बीमारियां होती हैं।

सरवाइकल

गर्दन का गठिया या सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस लैपटॉप और मोबाइल के अधिक इस्तेमाल से होने वाली बीमारी है। इन उपकरणों को चलाते समय स्क्रीन को देखने से सर्वाइकल स्पाइन पर दबाव पड़ सकता है।यह गर्दन के जोड़ों और डिस्क को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके कारण आपको अकडन, लगातार गर्दन में दर्द और तंत्रिका संपीडन हो सकता है, जो हाथों और भुजाओं में झुनझुनी या सुन्नता का कारण बनता है।

रीढ़ की हड्डी का ऑस्टियोपोरोसिस

लैपटॉप चलाते समय ज्यादातर लोग लंबे समय तक गलत मुद्रा में बैठे रहते हैं। ऐसा करने से आपको रीढ़ की हड्डी का ऑस्टियोपोरोसिस हो सकता है।इसके कारण न केवल आपकी हड्डियां कमजोर होती हैं, बल्कि उनके टूटने का खतरा भी बढ़ जाता है।इस बीमारी के आम तौर पर तब तक कोई लक्षण उजागर नहीं होते हैं, जब तक कोई हड्डी न टूट जाए।जानिए ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी के कारण, लक्षण और इससे बचाव के उपाय।

रिपिटेटिव स्ट्रेन इंजरी

रिपिटिटिव स्ट्रेन इंजरी (आरएसआई) नामक बीमारी आमतौर पर लैपटॉप या मोबाइल के लंबे समय तक इस्तेमाल के कारण होती है।अपनी गर्दन की मांसपेशियों और शरीर पर अधिक तनाव डालने से यह परेशानी बढ़ सकती है। आरएसआई बीमारी समय के साथ टेंडन और कलाई की हड्डियों में सूजन पैदा कर सकती हैं।इसके कारण टेंडिनिटिस या कार्पल टनल सिंड्रोम हो सकता है, जो दर्द और काम करने में परेशानी का कारण बनता है।

थोरसिक आउटलेट सिंड्रोम

कॉलरबोन और पहली पसली के बीच की नसों या रक्त वाहिकाओं का दबना थोरैसिक आउटलेट सिंड्रोम का कारण बनता है।खराब मुद्रा में लैपटॉप या मोबाइल उपकरण चलाने से ही अक्सर यह समस्या उत्पन्न होती है। गर्दन और कंधों में दर्द, उंगलियों का सुन्न होना और पकड़ का कमजोर होना इसके कुछ सामान्य लक्षण हैं।समय रहते इसका इलाज न करवाने पर अधिक गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

अक्षरा सिंह ने स्टाइलिश आउटफिट में गिराई बिजली, कैमरा के सामने दिए किलर पोज

भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह यूपी, बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अपने फैंस के बीच खास अंदाज के लिए मशहूर हैं। अक्षरा सिंह अपनी अदाओं से जादू बिखरने के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के लिए वीडियो और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही छा जाते हैं।

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हॉट वीडियो शेयर किया है, जिनमें उनका स्टाइलिश अवतार देखने को मिल रहा है. इस वीडियो में अक्षरा सिंह बेहद ग्लैमरस लग रही हैं और उनके ग्लोइंग मेकअप और खास अंदाज में बंधे हुए बालों ने उनके फैंस का दिल जीत लिया है. अक्षरा सिंह वीडियो में एक से बढ़कर किलर पोज दे रही हैं. इस वीडियो को देखकर उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. कुछ ही समय में इन वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है और यह तेजी से वायरल हो रहा है.

खूबसूरत अदाकाराओं में से एक अक्षरा सिंह की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। बता दें, करीब 3.2 मिलियन लोग अक्षरा को फॉलो करते हैं।

अक्षरा सिंह का जन्म भले ही मुंबई में हुआ हो लेकिन वो मूल रूप से बिहार की राजधानी पटना की रहने वाली हैं. भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाने वाली एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के पेरेंट्स भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा है. अक्षरा राजपूत समाज से ताल्लुक रखती हैं.

स्त्री 2 की बाक्स आफिस पर नहीं थम रही रफ्तार, 500 करोड़ के करीब पहुंची फिल्म, वर्ल्डवाइड 600 करोड़ पार

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2का बॉक्स ऑफिस पर कहर जारी है। फिल्म हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है।शनिवार यानी रिलीज के 17वें दिन फिल्म ने दुनियाभर में आंकड़ा 600 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। उधर भारत में इसकी कमाई 500 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है।स्त्री 2 की आंधी में बड़ी–बड़ी फिल्में हार मानती नजर आ रही हैं।आइए जानें फिल्म की अब तक की कुल कमाई।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक स्त्री 2 ने अपनी रिलीज के तीसरे शनिवार यानी 17वें दिन भी छप्परफाड़ कमाई की। 17वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 16 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया है।हालांकि, ये शुरुआती आंकड़े हैं, इनमें थोड़ा फेर–बदल हो सकता है। 16वें दिन स्त्री 2 की कमाई में गिरावट देखी गई थी, लेकिन शनिवार को इस फिल्म ने शुक्रवार से दोगुनी कमाई कर निर्माताओं को फिर से खुश कर दिया है।स्त्री 2 का निर्देशन अमर

कौशिक ने किया है। इसमें पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी ने भी अहम भूमिका निभाई है।खास बात है कि फिल्म में अक्षय कुमार और वरुण धवन ने अपने कैमियो से भी दर्शकों का दिल जीत लिया है। स्त्री 2 साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री का सीक्वल है।स्त्री 2 को बॉक्स ऑफिस पर 2 हफ्ते हो चुके हैं और तीसरा वीकेंड चल रहा है और इसका जलवा बरकरार है।बात करें फिल्म की कहानी की तो इस बार चंदेरी का सामना स्त्री से नहीं, बल्कि सरकटे से हुआ है। श्रद्धा, स्त्री की बेटी हैं, जो पहली फिल्म में पहेली बनी हुई थीं। राजकुमार ने जैसे चंदेरी को स्त्री से बचाया, वैसे सरकटे का भी खात्मा किया।दूसरी किस्त में सरकटा पर्दे पर तबाही मचाता दिखता है। कहानी के मामले में यह फिल्म पूरी तरह से बीस साबित हुई है। फिल्म में कॉमेडी और हॉरर का मजेदार छौंक है।2018 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री हिट साबित हुई थी, वहीं 6 साल बाद आया स्त्री का सीक्वल स्त्री 2 ब्लॉकबस्टर साबित हुआ है।स्त्री 2 का बजट 60 करोड़ रुपये है। फिल्म ने अपने बजट से कई गुना ज्यादा कमाई कर ली है। स्त्री 2 की सफलता के बाद अब स्त्री 3 पर काम शुरू हो गया है।स्त्री 2 को आईएमडीबी पर 7.8 रेटिंग मिली है। बता दें कि स्त्री को आईएमडीबी पर 7.5 रेटिंग दी गई थी।

कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी का गाना ए मेरी जान रिलीज, पक्ष–विपक्ष में दिखी देशभक्ति

कंगना की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर मुसीबतों के बादल मंडरा रहे हैं यह फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है लेकिन कई संगठन इसे बैन करवाने पर तुले हुए हैं. इसी बीच फिल्म का नया गाना ए मेरी जान मेकर्स ने रिलीज कर दिया है. जिसमें कंगना और विपक्ष की आंखों में देशभक्ति साफ देखी जा सकती है.

फिल्म का पहला गाना सिंहासन खाली करो था जिसमें विपक्ष को आपातकाल के खिलाफ आवाज उठाते हुए देखा गया था. अब मेकर्स ने फिल्म से दूसरा गाना रिलीज किया है जिसका टाइटल ए मेरी जान है. फिल्म में इमरजेंसी लगने पर देश के बिगड़े हालात की झलक दिखाई गई है. पक्ष विपक्ष देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत दिखाई दे रहे हैं.

सोशल मीडिया पर गाना रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा– ऐ मेरी जान मुझे जान से भी प्यारा है तू, राष्ट्र के प्रति परम प्रेम, प्रेम की घोषणा ए मेरी जान अब जारी. 6 सितंबर को सिनेमाघरों में इमरजेंसी. वहीं फैंस भी इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तारीफ कर रहे हैं.

शिरोमणि अकाल दल और सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फिल्म पर पूरी तरह से बैन लगाने की मांग की है. इमरजेंसी फिल्म साल 1975 में देश में लगी इमरजेंसी और तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी की एक सिख द्वारा की गई हत्या को दिखाया गया है. यह विवाद उस वक्त उठा जब फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हुआ था. ऐसे में सिख कम्यूनिटी कंगना रनौत और सेंसर बोर्ड को लीगल नोटिस भेज चुकी है.

इमरजेंसी 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है देखना दिलचस्प होगा कि बैन के लिए उठ रही मांगो का फिल्म की रिलीज पर क्या असर पड़ता है. फिल्म कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, सतीश कौशिक, महिमा चौधरी जैसे कलाकार खास रोल में हैं.

शिवमणि के लाइव शो को अभिनेत्री निकिता दत्ता ने बताया मैजिकल

अभिनेत्री निकिता दत्ता ने तालवादक आनंदन ड्रम्स शिवमणि के प्रदर्शन की एक झलक शेयर की है। उन्?होंने इसे जादुई अनुभव बताया है। इंस्टाग्राम पर 1.7 मिलियन फॉलोअर्स वाली निकिता ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शिवमणि अपने हुनर से सबको मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। क्लिप का कैप्शन है, शिवमणि को लाइव देखा.. वाकई जादुई। चेन्नई की रहने वाले पर्कशनिस्ट पद्म श्री शिवमणि ड्रम, ऑक्टोबन, दरबुका, उडुकाई, घाटम और कंजीरा जैसे वाद्य यंत्र बजाते हैं।

वहीं, 33 वर्षीय अभिनेत्री निकिता एक एक्टर हैं। जिन्होंने शुरुआत मॉडलिंग से की। 2012 में फेमिना मिस इंडिया में भाग लिया था। उन्होंने 2014 में रोमांटिक कॉमेडी लेकर हम दीवाना दिल से अपनी अभिनय यात्रा शुरु की। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अरमान जैन और दीक्षा सेठ मुख्य भूमिकाओं में थे।

उन्होंने 2015 में ड्रीम गर्ल–एक लड़की दीवानी सी से अपना टेलीविजन डेब्यू किया। निकिता ने मोहसिन खान के साथ एक महत्वाकांक्षी अभिनेत्री लक्ष्मी की भूमिका निभाई थी। इसमें श्रद्धा आर्या, सुदीप साहिर, कुणाल वर्मा और खालिद सिद्दीकी ने काम किया था।

नामिक पॉल के साथ एक दूजे के वास्ते में सुमन की भूमिका ने उनके करियर को एक नया मोड़ दिया। 2017 से 2018 तक, उन्होंने हासिल में जायद खान और वत्सल सेठ के साथ एक वकील की भूमिका निभाई। ये उनका आखिरी टीवी शो था।

2018 में अक्षय कुमार के अपोजिट स्पोर्ट्स फिल्म गोल्ड के साथ निकिता ने फिल्मों में वापसी की। इसके बाद वह लस्ट स्टोरीज, कबीर सिंह, मस्का, द बिग बुल, डायबुक और रॉकेट गैंग जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं।

फिल्मों की बात करें तो उन्हें आखिरी बार बिजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित एक्शन ड्रामा डांगे में ऋषिका के रूप में देखा गया था। फिल्म को हिंदी और तमिल में एक साथ शूट किया गया था और इसमें हर्षवर्धन राणे और एहान भट मुख्य भूमिकाओं में थे।

निकिता को नीरज पांडे द्वारा बनाई गई वेब सीरीज खाकीरू द बिहार चौप्टर में भी देखा गया था। इसमें करण टैकर (आईपीएस अमित लोढ़ा के रूप में) मुख्य भूमिका में हैं। वह क्राइम थ्रिलर सीरीज में अमित की पत्नी तनु

लोढ़ा का किरदार निभा रही हैं।घराट गणपति से निकिता मराठी सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। नवज्योत नरेंद्र बांदीवाडेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में भूषण प्रधान, अजिंक्य देव, अश्विनी भावे के साथ संजय मोने, शुभांगी लाटकर और शुभांगी गोखले भी है। निकिता के पास श्ज्वेल थीफरू द रेड सन चौप्टरय और श्गुल गुले बकावलीय भी हैं।

निवेथा थामस–स्टारर फैमिली ड्रामा फिल्म 35–चिन्ना कथा काडू 6 सितंबर को होगी रिलीज

अभिनेत्री निवेथा थॉमस की आगामी फैमिली ड्रामा फिल्म 35–चिन्ना कथा काडू 6 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।फिल्म 35–चिन्ना कथा काडू पारिवारिक बंधनों की जटिलता पर बात करती है। इसमें जीवन पर विपरीत दृष्टिकोण से देखने वाले दो भाई–बहनों के बीच के संघर्ष को दिखाया गया है।निवेथा इसमें एक मध्यम वर्ग की महिला की भूमिका निभा रही हैं, जो अपनी आकांक्षाओं और पारिवारिक कर्तव्यों के बीच फंसी हुई है। फिल्म यह पता लगाती है कि ये परस्पर विरोधी विचार उनके रिश्तों को कैसे आकार देते हैं और उनके जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं।कलाकारों में प्रियदर्शी, विश्वदेव, गौतमी और भाग्यराज शामिल हैं। इसे तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।राणा दग्गुबाती द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म सुरेश प्रोडक्शंस एस ओरिजिनल्स और वाल्टेयर प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। इस फिल्?म को बेहद ही कम बजट में बनाया गया है। इसका निर्देशन नंद किशोर इमानी ने किया है। 35–चिन्ना कथा काडू एक भावनात्मक रूप से आकर्षक अनुभव देने का वादा करती है।निवेथा ने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में लोकप्रिय धारावाहिक माई डियर बूथम से की। उसके बाद उन्होंने वेरुथे ओरु भार्या में जयराम की बेटी की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्हें कुछ तमिल और मलयालम फिल्मों में काम करने का मौका मिला, जिनमें चप्पा कुरीश और थट्टाथिन मरायथु और पोराली शामिल हैं।निवेथा ने 2016 में जेंटलमैन से तेलुगु फिल्म में डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें रोमांस, जिल्ला, पापनासम, निन्नू कोरी, जय लव कुश, 118, ब्रोचेवरेवरुरा, वी, वकील साब जैसी हिट फिल्मों में देखा गया, जो अमिताभ बच्चन और तापसी पन्नू अभिनीत हिंदी फिल्म पिंक की तेलुगु रीमेक थी।उन्हें दरबार फिल्म में रजनीकांत की बेटी का किरदार निभाते हुए देखा गया। उन्?होंने सुधीर वर्मा द्वारा निर्देशित साकिनी दाकिनी में भी काम किया। यह फिल्म कोरियाई फिल्म मिडनाइट रनर्स की तेलुगु रीमेक है, जिसमें रेगीना कैसांड्रा ने अभिनय किया था।

सूर्या स्टारर कंगुवा की रिलीज डेट बदली ?, रजनीकांत–आलिया भट्ट नहीं कार्तिक आर्यन से होगी फिल्म की टक्कर

तमिल सुपरस्टार सूर्या और बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म कंगुवा को लेकर चौंकाने वाला अपडेट आया हैं. कगुंवा तमिल सिनेमा से साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. फिल्म मौजूदा साल की 10 अक्टबूर को दशहरा के मौके पर रिलीज होने जा रही है. इस दिन साउथ सुपरस्टार थलाइवा रजनीकांत, अमिताभ बच्चन स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म वेट्टैयन भी रिलीज होनी है. दशहरा पर कंगुवा का मुकाबला आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा से भी होगा. ऐसे में खबर आ रही है कि फिल्म कंगुवा की रिलीज डेट बदल गई है.रिपोर्ट्स की मानें तो कंगुवा के मेकर्स का बॉक्स ऑफिस पर रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म वेट्टैय्यन से मुकाबला करने का कोई मूड नहीं है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब कंगुवा दिवाली 2024 को लिए तैयार हो रही है. कहा जा रहा है कि सूर्या और बॉबी की फिल्म दिवाली 2024 पर धमाका करने जा रही है. बता दें, दिवाली पर बॉलीवुड से कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3

से टकराने जा रही है.पीरियड फैंटेसी फिल्म कंगुवा 31 नवंबर 2024 को रिलीज होने जा रही है, लेकिन मेकर्स ने इन अटकलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की है. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसमें सूर्या और बॉबी के खौफनाक सीन देखने को मिले थे. फिल्म में दिशा पटानी लीड रोल में होंगी. फिल्म बॉबी देओल मुख्य विलेन का किरदार निभा रहे हैं. फिल्म में कोवई सराला, जिस्सू सेनगुप्ता, योगी बाबू, रेडिन किंग्स्ले, नटराजन सुब्रामण्यमस, आनंद राज, रवि

राघवेंद्र, केएस रविकुमार, दीपा वेकंट सपोर्टिंग रोल में होंगे. फिल्म में पुष्पा फेम म्यूजिक डायरेक्टर देवी श्री प्रसाद का म्यूजिक होगा. फिल्म को स्टूडियो ग्रीन और यूवी क्रिएशंस ने मिलकर प्रोड्यूस किया है. फिल्म के डायरेक्टर सिवा हैं.

कौन हैं अलेखा आडवाणी ? अदार जैन की मंगेतर के बारे में सब कुछ, जो आपको जानना चाहिए

बॉलीवुड अभिनेता अदार जैन ने रविवार (1 सितंबर) को समुद्र के किनारे अलेखा आडवाणी के साथ अपनी सगाई की घोषणा की। उन्होंने मालदीव के एक समुद्र तट पर एक घुटने पर बैठकर अपनी प्रेमिका को प्रपोज किया।

बॉलीवुड अभिनेता अदार जैन ने रविवार (1 सितंबर) को समुद्र के किनारे अलेखा आडवाणी के साथ अपनी सगाई की घोषणा की। उन्होंने मालदीव के एक समुद्र तट पर एक घुटने पर बैठकर अपनी प्रेमिका को प्रपोज किया। अदार, जिन्होंने अभिनेत्री तारा सुतारिया को डेट किया और 2023 में उनसे ब्रेकअप कर लिया। अलेखा वे वेल की संस्थापक हैं, जो एक ऐसी कंपनी है जो अनोखे वेलनेस प्रोग्राम और रिट्रीट बनाती है। उनकी वेबसाइट के अनुसार, वे वेलनेस के विभिन्न स्वरूपों का उपयोग करके संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ाते हैं जिसमें फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य, कोचिंग, पोषण और उपचार और चिकित्सा के वैकल्पिक रूप शामिल हैं। 2016 में, अलेखा ने न्यूयॉर्क में कॉर्नेल होटल स्कूल से स्नातक किया। उन्होंने लॉस एंजिल्स में डेलोइट में एक आतिथ्य सलाहकार के रूप में दो साल बिताए। वर्तमान में, वह 32 वर्ष की हैं। अलेखा का तारा सुतारिया के साथ बहुत करीबी रिश्ता था। दरअसल, वे सबसे अच्छी दोस्त थीं। 2022 में, अदार और तारा ने पेरिस की एक रोमांटिक यात्रा की थी, जिसमें अलेखा भी शामिल हुई थीं। अदार के साथ इसे आधिकारिक बनाने से पहले, अलेखा कथित तौर पर लगभग दो साल तक शनील पारेख के साथ रिश्ते में थीं। अदार और अलेखा का रिश्ता नवंबर 2023 में, तारा के साथ अपने ब्रेकअप के महीनों बाद, अदार ने सोशल मीडिया पर अलेखा के साथ अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि की थी। अलेखा का हाथ पकड़े हुए एक तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा, ष्मेरे जीवन की रोशनी।ष उन्हें करीना कपूर खान और सैफ अली खान के दिवाली समारोह में भी हाथों में हाथ डाले देखा गया था।1 सितंबर को अदार और अलेखा ने इंस्टाग्राम पर सपनों के प्रस्ताव की अंतरंग तस्वीरें साझा कीं। मेरा पहला क्रश, मेरा सबसे अच्छा दोस्त और अब, मेरा हमेशा के लिए,ष कैप्शन में लिखा था। अदार रीमा जैन और मनोज जैन के बेटे हैं। उन्होंने 2017 में श्कैदी बैंडश से बॉलीवुड में अभिनय की शुरुआत की, आखिरी बार उन्हें श्हैलो चार्लीश में देखा गया था।

बाक्स आफिस पर नानी की फिल्म सारिपोधा सानिवारम की जलवा, वर्ल्डवाइड 50 करोड़ का आंकड़ा किया पार

नानी की नवीनतम फिल्म, सारिपोधा सानिवारम ने बॉक्स ऑफिस पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जिसने केवल तीन दिनों में दुनिया भर में 52.18 करोड़ की कमाई की है। तेलुगु राज्यों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद, फिल्म ने एपी और टीएस में उच्चतम संग्रह दर्ज किया है, पिछले 24 घंटों में बुकमायशो पर 204के से अधिक टिकट बुक किए गए हैं। यह नानी की लगातार तीसरी फिल्म है जो इस मील के पत्थर तक पहुँची है, इससे पहले दशहरा और हाय नन्ना ने यह उपलब्धि हासिल की थी।सारिपोधा सानिवारम विदेशों में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही है, जिसमें उत्तरी अमेरिका पहला क्षेत्र है जिसने ब्रेकईवन मार्क हासिल किया है, जिसने +1.5 मिलियन से अधिक की कमाई की है। सप्ताहांत की छुट्टियों के कारण अगले दो दिनों में और अधिक संख्या में उम्मीद के साथ फिल्म की सफलता जारी रहने की उम्मीद है। विवेक अथरेया द्वारा निर्देशित और डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सारिपोधा सानिवारम एक शानदार प्रोडक्शन वेंचर साबित हो रही है।

फिल्म ने मात्र तीन दिनों में दुनिया भर में 52.18 करोड़ की कमाई की है, जो नानी की स्टार पावर और फिल्म की आकर्षक कहानी का प्रमाण है। उत्तरी अमेरिका में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, सारिपोधा सानिवारम विदेशी बाजार में नानी के लिए एक बेंचमार्क बनने के लिए तैयार है।

चूंकि फिल्म दर्शकों को आकर्षित करना जारी रखती है, इसलिए इसकी सफलता से टॉलीवुड में एक प्रमुख अभिनेता के रूप में नानी की स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है। मनोरंजन और आकर्षक कथा के अपने अनूठे मिश्रण के साथ, सारिपोधा सानिवारम तेलुगु सिनेमा के प्रशंसकों के लिए अवश्य देखने लायक है।

थाना मोहाना में तैनात मुख्य आरक्षी लालबहादुर भारती का आकस्मिक निधन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

थाना मोहाना पर नियुक्त मुख्य आरक्षी श्री लालबहादुर भारती निवासी ग्राम बांस गगहा, थाना–गगहा, जनपद गोरखपुर जो काफी समय से बीमार चल रहे थे तथा आज दिनांक 02ध09ध2024 को रात्रि करीब 03 बजे से 04 बजे के बीच उनकी तबियत अचानक खराब हो गई, जिन्हें दवा इलाज हेतु जिला अस्पताल सिद्धार्थनगर ले जाया गया जहां पर उपचार के दौरान आज दिनांक 02.09.2024 को उनकी मृत्यु हो गई वह दिनांक 20–01–2021 से थाना मोहाना पर तैनात थे मुख्य आरक्षी श्री लालबहादुर भारती के आकस्मिक निधन पर सिद्धार्थनगर पुलिस उन्हे विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती है । इस शोक की इस घड़ी में समस्त सिद्धार्थनगर पुलिस शोकाकुल परिवार के साथ है ।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा प्राथमिक विद्यालय–मदनपुर, विकास खण्ड क्षेत्र–उसकाबाजार का औचक निरीक्षण किया गया आज निरीक्षण के दौरान शिक्षकगण एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति पंजिका को देखा गया निरीक्षण के समय 01 प्रधानाध्यापक एवं 02 शिक्षामिश्र उपस्थित थी। 01 सहायक अध्यापक अवकाश पर थे नामाकंन 135 के सापेक्ष मात्र 85 बच्चें उपस्थित पाये गये प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया कि बच्चो की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावक से वार्तालाप करें तथा नियमित रूप से ग्राम में भ्रमण करें। विद्यालय में एम.डी.एम. बनाया गया है सोमवार को फल के रूप में केला वितरित किया गया है परिसर में झूला लगाया जा रहा है, परन्तु अभी कार्य पूर्ण नही है विद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा परिसर में

द्विव्यांग शौचालय निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसे पूर्ण करने के निर्देश दिये गये प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया कि खेल सामग्री को मध्यावकाश में सामग्री बच्चों को वितरित करें जिन बच्चो के अभिभावक के खाते में ड्रेस, किताब, जूता मोजा आदि क्रय करने हेतु धनराशि प्रेषित किया गया है, ऐसे अभिभावको को जागरूक करते हुए क्रय कराये जाने हेतु निर्देश दिया गया स्मार्ट क्लास प्रोजेक्टर को क्रियाशील करने के निर्देश दिया गया पूर्व माध्यमिक विद्यालय भवन में जल जमाव होने एवं रास्ता कच्चा होने के कारण प्राथमिक विद्यालय में ही पूर्व माध्यमिक विद्यालय संचालित है उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी तथा ग्राम पंचायत अधिकारी को निर्देशित किया गया कि रास्ता का निर्माण कराते हुए जल जमाव का निराकरण करें ।

धान में लगने वाले रोगों से करें बचाव

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के निर्देश पर जिला कृषि रक्षा अधिकारी इरम ने बताया है कि इस समय खरीफ की मुख्य फसल धान बढ़वार की अवस्था में है। विगत कुछ दिनों से मौसम में हो रहे बदलाव–बारिश तथा तापमान 28 डिग्री से0– 34 डिग्री से० तक एवं वातावरण में नमी (सापेक्षिक आईता) के कारण धान मे रोग लग सकते है। झुलसा रोग (बैक्टीरियल ब्लाईट ध्स्ट्रक) नहरी या सिंचित खेतों मे अधिक लगता है जिसमे पत्तिया नोक की तरफ से अंन्दर की तरफ पीली पड़ लहरदार होकर सूखने लगती है तथा बाद में पुआल जैसे दिखने लगती है। बैक्टीरियल स्ट्रीक मे सुबह के समय पत्तियों खून की तरह लाल दिखायी देती है। इसके नियन्त्रण हेतु 15 ग्राम स्ट्रप्टोसाइक्लिन या वेलिडामाइसिन एन्टीबायोटिक तथा 500 कापर आक्सीक्लोराईड 500 लीटर पानी मे मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिडकाव करें। शीथ ब्लाइट व शीथ राट रोग में जिन क्षेत्रो मे जल जमाव है एवं साथ ही खेत मे यूरिया (नाइट्रोजन) अधिक प्रयुक्त है वहाँ धान की फसल इस रोग से प्रभावित हो सकती है। शीथ ब्लाइट रोग में पत्तियों पर अनियमित आकार के धब्बे बनते है जिनका किनारा गहरा भूरा तथा बीच का भाग हल्के रंग का होता है बाद में धब्बे एकाकार हो जाते है, पत्तियों सूख जाती है। शीथ राट में उक्त के अलावा पूरा शीथ प्रभावित होकर सडने लगता है। इसके नियन्त्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 50 प्रति० डब्लू०पी० की 500 ग्राम ध हेक्टेयर या प्रोपीकोनाजील 25: म्ू की 500 मिली० प्रति हे० या एजाक्सीस्ट्रोबिन 11 प्रति0–टेबूकोनाजोल 180.3 प्रति० एस०सी० मे से किसी एक का प्रयोग करें व 10 से 15 दिन बाद पुनः रसायन बदल कर छिडकाव करें। झोंका रोग धान का यह अत्यन्त विनाशकारी रोग है जिससे पत्तियों व उनके निचले भागों पर आंख के आकार के छोटे धब्बे बनते हे जो बाद मे बढ़कर नाव की तरह हो जातें है। सर्वप्रथम पत्तियों पर तत्पश्चात पर्णच्छद, गाठो आदि पर दिखते है। यह फंफूदजनित रोग पौधों की पत्तियों, गाठों एवं बालियों के आधार को भी प्रभावित करता है। इसमे धब्बो के बीच का भाग राख के रंग का तथा किनारें कत्थई रंग के घेरे की तरह होते है जो बढकर कई से०मी० बडे हो जाते है। समय पर नियन्त्रण न होने पर शत–प्रतिशत फसल की हानि होती है। इसके नियन्त्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 50 प्रति० डब्लू०पी० 500 ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 2–3 छिडकाव 10 दिन के अन्तराल पर करें। धान मे उक्त रोग अधिक नमीध्जल–जमाव तथा मृदा मे नाइट्रोजन की अधिकता से होते है। कृषक जल–जमाव न होने दे, यूरिया का संतुलित मात्रा मे ही प्रयोग करें। मेडों की सफाई करें जिससे आगे चलकर गन्धी आदि कीटों का नियन्त्रण किया जा सकें।

सर्वस्पर्शी और सर्वग्राही है सदस्यता अभियान

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। सोमवार को भाजपा किसान मोर्चा देवरिया द्वारा सदस्यता अभियान का शुभारंभ सदर विधानसभा के देवरिया नगर स्थित सुभाष चौक से किया गया।कार्यक्रम में किसान मोर्चा कार्यकर्ताओ ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर,दीप प्रज्ज्वलित किया और फुलझड़ी जलाकर सदस्यता अभियान शुभारम्भ पर खुशी जाहिर किया। सदस्यता अभियान जिला सहसंयोजक अजय उपाध्याय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समाज के सभी तबकों की तरक्की के लिये कार्य करती है।किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान समाज के सभी वर्गों

को जोड़कर देश को समृद्ध बनाने में योगदान देने के लिये प्रेरित करेगा।उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अगले 15 अक्टूबर गावो में किसान परिवारों के बीच जाकर किसानों और उनके परिवार के लोगो को अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बनाएंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता विशम्भर मिश्र, अम्बिकेश पाण्डेय, सिमा जायसवाल, आराधना गुप्ता, अजय दुबे वत्स भगवान यादव,नागेन्द्र सिंह, मुकेश राय, अमरनाथ सिंह, अरुण मिश्र, प्रियंका सिंह, डॉ विनोद पाण्डेय, नित्यानंद पाण्डेय, प्रदीप विश्वकर्मा, विद्यासागर मिश्र, रत्नेश मिश्र, सुब्रत सिंह, सुशील पाठक, प्रभुनाथ पाण्डेय उपस्थित रहे।

एनडीए प्रत्याशियों को दिलाएंगे जीत– अनुप्रिया पटेल

सीट बंटवारे के सवाल को टल गई अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रयागराज (आरएनएस)। अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यूपी में दस विधानसभा की सीटों पर होने वाले उप चुनाव में अपना दल एस के कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जुटेंगे और एनडीए के प्रत्याशियों को विजयी बनाएंगे। सिंबल चाहे जो हो और टिकट चाहे जिसको मिले, अपना दल के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ चुनाव में एनडीए के प्रत्याशियों के साथ रहेंगे।

आज प्रयागराज पहुंचीं अनुप्रिया पटेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उनका जिले में कई स्थानों पर कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि 17 अक्तूबर को अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। आज की बैठक में इसकी रूपरेखा तैयार की गई है।

पत्रकारों ने सवाल किया कि अपना दल के कार्यकर्ता कितने सीटों पर चुनाव लड़ेंगे तो वह सवाल को टाल गईं और कहा कि एनडीए के उम्मीदवार ही चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी पूरी ताकत और निष्ठा के साथ उम्मीदवारों को जिताने के लिए जोर लगाएगी। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने भी कहा कि उप चुनाव में टिकट किसको मिलेगा यह एनडीए के नेता आपस में बैठकर तय करेंगे। फिलहाल अपना दल के कार्यकर्ता एनडीए उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। सभी दस सीटों पर एनडीए की जीत होने वाली है।

नगर पालिका बांसी का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डॉ राजागणपति आर द्वारा नगर पालिका परिषद कार्यालय बांसी का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डॉ राजागणपति आर द्वारा जानकारी चाही गयी कि नगर पालिका में कितने वार्ड है इसकी जानकारी चाही गयी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बांसी द्वारा जानकारी दी गयी कि नगर पालिका में 25 वार्ड है वार्डो में जल जमाव के स्थानों को चिन्हित किया गया है जिलाधिकारी द्वारा ग्रान्ट रजिस्टर देखा गया राज्य वित्तध15वें वित्त में पैसा नही आया है 15वें वित्त का रजिस्टर देखा गया टैक्स वसूली में सुधार लाने का निर्देश दिया वाटर एटीएम की पत्रावली को मांगने पर पत्रावली नही दिखा पाये 15वें वित्त का रजिस्टर कम्पलीट नही था लिपिक को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया सम्पत्ति रजिस्टर नही मिला नगर पालिका के वाहनों के संबध में कोई भी रजिस्टर नही पाया गया तथा लॉगबुक कम्पलीट नही था तथा वित्तीय रजिस्टर पूर्ण नही था नगर पालिका में लगाये गये स्ट्रीट लाइटो का थर्ड पार्टी सत्यापन में फोटो नही पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बांसी को निर्देश दिया कि 03 दिवस के अन्दर वित्तीय वर्ष 2024–25 का अब तक के अपूर्ण समस्त रजिस्टर व पत्रावली पूर्ण कर

उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कार्यालय में सुधार लाने एवं हो रहे कार्यो का समय से भुगतान, पत्रावलियों का रख–रखाव ठीक ढंग से करने के साथ ही समस्त कार्यो को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराना सुनिश्चित करे। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी बांसी प्रदीप कुमार यादव, पीओडूडा सुनीता सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बांसी मुकेश कुमार व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे।

3एचपी, 5 एचपी एवं 7.5 एचपी के निजी नलकूप पर अनुदान हेतु तीन दिवस के अंदर करें आवेदन

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के निर्देश पर परियोजना प्रभारी यू०पी० नेडा देवरिया गोविंद तिवारी बताया है कि सौर ऊर्जा नीति 2022 में एम०एन०आर०ई० भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पी०एम०कुसुम) कम्पोनेन्ट सी योजना का क्रियान्वयन पी०एम०कुसुम घटक सी–1 के अन्तर्गत जनपद में विभिन्न क्षमता के स्थापित मीटर्ड निजी ऑनग्रिड पम्प के सोलराइजेशन किया जाना प्रस्तावित है। योजनान्तर्गत आवेदन ऑनलाइन नचदमकांनेनउबस.पद पर किया जाना है। पीएम कुसुम सी–1 योजनान्तर्गत लाभार्थी कृषकों हेतु सुविधाएं अनुमन्य की गयी हैं। प्रदेश में निवास कर रहे अनुसूचित जनजाति, वनटांगिया एवं मुसहर जाति के कृषकों को इस योजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा सकल लागत का 100 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य किया गया एवं उक्त उपरोक्त श्रेणी के कृषकों के अलावा अन्य श्रेणी के कृषकों को 90 प्रतिशत अनुदान के साथ सोलराइजेशन अनुमन्य किया गया है। मात्र 10 प्रतिशत का भुगतान कृषकों को करना होगा। वर्तमान में यह योजना 3 एचपी, 5 एचपी एवं 7.5 एचपी के निजी नलकूप पर अनुदान दिया जा रहा है। यह योजना राज्य एवं केन्द्र सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है अतः उपरोक्त योजना के अन्तर्गत जो भी

लाभार्थी लाभ लेने हेतु आवेदन करना चाहतें है, वे 03 दिवस के अन्दर यूपीनेडा कार्यालय, द्वितीय तल विकास भवन देवरिया आकर आवेदन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु अधिक मामलो को चिन्हित कर करे निस्तारित – जनपद न्यायाधीशदेवरिया

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार तथा जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया देवेन्द्र सिंह के अध्यक्षता मे राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु समस्त विभागों के साथ दीवानी न्यायालय के वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष में प्री–ट्रायल बैठक आहूत की गयी। जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया देवेन्द्र सिंह द्वारा समस्त विभागों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक वादों का चिन्हाकन कर निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के सचिवध् अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी द्वारा निर्देशित किया गया कि समस्त विभाग चिन्हित किये हुये मामलें को संदर्भित करें तथा अधिक से अधिक संख्या में मामलों को लोक अदालत के दिन लगाकर मामलों का निस्तारण करावें। सचिव ने समस्त उपस्थित अधिकारीगण को निर्देशित किया कि वे लोक अदालत की सफलता हेतु प्रचार–प्रसार को व्यापक स्तर पर करें तथा लोगो के बीच जनजागरूकता हेतु विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करवाना सुनिश्चित करें। इस दौरान समस्त विभाग के अधिकारियों को सचिव के द्वारा लोक अदालत की सफलता हेतु एक साथ आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने समस्त विभागों को निर्देशित करते हुये कहा गया आप जनपद के विभिन्न स्थानों पर बैनर, होर्डिंग, पम्पलेट एवं हैण्डबिल के माध्यम से आमजनमानस को जागरूक करें जिससे लोक अदालत को सफल बनाया जा सकें। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत 14 सितंबर दिन शनिवार को आयोजित किया जाना सुनिश्चित हैं जिसमें व्यापक स्तर पर बैंक, बीमा, राजस्व, विद्युत, जल, सर्विस में वेतन एवं भत्ते, सिविल, श्रम,

अन्य लघु अपराधिक मामलें तथा प्री–लिटिगेशन वादों का निस्तारण किया जाना हैं। इस बैठक में मुख्य रूप से अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम श्रीमती छाया नैन, बी0एस0एन0एल0, वाट माप, वाणिज्य कर, सेवायोजन, , जिला परिवीक्षा अधिकारी , आबकारी, , कृषि, परिवहन,नगरपालिका, तथा अन्य विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्री राम मंदिर अयोध्या के सजीव चित्र देख विभोर हुए छात्र

ज्वाला देवी इन्टर कालेज गंगापुरी में श्री राम मंदिर अयोध्या जी के भव्य उद्घाटन सत्र का छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ

प्रयागराज (आरएनएस)। आज ज्वाला देवी इन्टर कालेज गंगापुरी, प्रयागराज मे जितेंद्र प्रकाश के द्वारा श्री राम मंदिर अयोध्या के उद्घाटन सत्र का छायाचित्र श्री परमेश्वर दयाल ग्राम उद्योग विकास एवं सेवा संस्थान के तत्वावधान मे आयोजित किया गया। इस प्रदर्शनी में श्रीराम मंदिर ,अयोध्या से संबंधित जितेन्द्र प्रकाश के द्वारा खींची गई तस्वीरों को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह, निर्देशक गुरुकुल मान्टेसरी इन्टर कॉलेज ने कहा कि 500 वर्षों के अथक संघर्षों के बाद भगवान श्री राम मंदिर निर्माण कार्य पूरा हुआ। हमारी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसा आयोजन होते रहना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति को पहचाने। विशिष्ठ अतिथि हरजिंदर सिंह समाज सेवी ने कहा कि आप लोगों को मंदिर जा कर दर्शन करना चाहिए। प्रभु श्री राम क्या थे और क्या है श्री राम कण कण में है।

विशिष्ट अतिथि अमिता मिश्र प्रिंसिपल गुरुकुल मान्टेसरी स्कूल ने कहा की तुलसी दास ने प्रभु श्री राम का वर्णन और उनके चरित्र का गुणगान सरल शब्दो में किया। विशिष्ट अतिथि वंदना सिंह, वाइस प्रिंसिपल गुरुकुल मान्टेसरी स्कूल ने कविता के माध्यम से प्रभु श्री राम के बारे में बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे युगल किशोर मिश्र प्रधानाचार्य, ज्वाला देवी इन्टर कालेज ने कहा की श्री राम मंदिर की चित्रों से स्कूल के विद्यार्थीयों को अपने जीवन में बहुत कुछ देखकर सीखने का मौका मिलेगा।

सी ए अनिल गुप्ता ने सभी अतिथियों का आभार वयक्त किया। जितेंद्र प्रकाश, विकाश सिंह एवम राजीव मिश्र ने सभी अतिथियों को श्री राम मंदिर का चित्र और साल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विकास सिंह, राजेश पांडेय, श्री राम द्विवेदी, रजत शर्मा अनुप्रिया शर्मा एवम स्कूल के आचार्य और विद्यार्थी मौजूद रहे।

एक–एक लाख के इनामी पिता–पुत्र गिरफ्तार

एसटीएफ ने प्रतापगढ़ से दबोचा पड़ोसी की हत्या के बाद से चल रहे थे फरार

प्रयागराज (आरएनएस)। एसटीएफ प्रयागराज यूनिट ने एक–एक लाख के इनामी पिता–पुत्र को रविवार की रात गिरफ्तार किया है। प्रतापगढ़ के रहने वाले पिता–पुत्र पड़ोसी की गोली मारकर हत्या कर फरार हो गए थे। काफी तलाश के बाद दोनों पर एक–एक लाख का इनाम घोषित हुआ था।

रविवार रात सटीक सूचना पर एसटीएफ टीम ने छापेमारी कर लीलापुर तिराहे से दोनों को दबोच लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब्दुल मजीद उर्फ मुन्नू और उसके बेटे सुहेल ग्राम हरिहरपुर सिंधौर लीलापुर प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। ज्ञात हो कि बीती 19 मई को इन लोगों का पड़ोसी अब्दुल रज्जाक ट्रैक्टर से खेत की जुताई से कर रहा था। इसी बीच विवाद हुआ और पिता–पुत्र ने उसकी कनपटी पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। सरेआम हत्या के बाद दोनों फरार हो गए थे।

एसटीएफ इंस्पेक्टर जेपी राय की टीम दोनों को तलाश रही थी। यह दोनों कुछ दिनों के लिए मुंबई भाग गए थे। पुलिस की छापेमारी खत्म हुई तो दोनों प्रतापगढ़ के एक मकान में आकर रहने लगे थे। एसटीएफ ने गिरफ्तारी के बाद टोनों को लीलापर थाने में दाखिल कर दिया।

हुबहू पुरानी पेंशन की मांग को लेकर अटेवा ने शुरू किया जोरदार आंदोलन

प्रयागराज (आरएनएस)। आज अटेवा द्वारा पुरानी पेंशन के लिए चलाये जा रहे आंदोलन के क्रम मे प्रयागराज के शिक्षक एवं अधिकारी कर्मचारी बांह मे काली पट्टी बांध कर कार्य करते हुये, जिस पेंशन का सरकार कर रही बखान उस पेंशन यूपीएस और एनपीएस का शिक्षक और कर्मचारी जोरदारी से बहिष्कार किया।आज प्रथम दिन पूरे जनपद प्रयागराज के सभी ब्लाकों, तहसीलों के विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी और विभागों के अधिकारी और कर्मचारी हू बहू पुरानी पेंशन ओपीएस की मांग कर रहे हैं।जनपद प्रयागराज अटेवा के पदाधिकारियों ने एक स्वर से मांग किया सरकार जिस एनपीएस की गुणगान आप बीस वर्ष तक गाते रहे उसमे आप द्वारा सुधार के नाम पर कर्मचारियों से धोखा, छालावा किया गया है स पूरे जनपद प्रयागराज मे नेतृत्व कर रहे जनपद अध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार जीतू, प्रदेश संगठन मंत्री अशोक कुमार कनौजिया, सैय्यद दानिश इमरान प्रदेश आई टी सेल प्रभारी, संजय पटेल राष्ट्रीय आई टी सेल सदस्य, अंजना सिंह, नीलम सिंह महिला संयोजक, दीपा सिंह, माधुरी, सुरेश सिंह, आर के यादव जिला मंत्री, अनुराग पाण्डेय जिला मिडिया प्रभारी, फूलचंद यादव अध्यक्ष पीडब्लूडी, श्रीमती पुष्पलता सिंह, आरती सिंह, प्रीति बृज, अंजली, नरेंद्र कुमार कोषाध्यक्ष, सचिन रावत आदि शिक्षक कर्मचारियों ने संकल्प लिया है कि शीर्ष नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधू के आह्वान पर दो सितंबर से छः सितंबर तक लगातार विरोध प्रदर्शन चलता रहेगा। उपरोक्त जानकारी जिला अटेवा मिडिया प्रभारी कर्मचारी नेता रविशंकर मिश्र ने दिया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।